RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 76 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,शनिवार, 12 सितंबर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ ब्रिक्स की थीम नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण

मोदी का ट्रंप-ईरान को संदेश, समुद्री रास्तों की सुरक्षा व नाविकों की हिफाजत जरूरी

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में मोदी ने कहा, ब्रिक्स अब 21 देशों का परिवार, संयुक्त जीडीपी वैश्विक दर से दोगुनी तेजी से बढ़ी

● नई दिल्ली,

ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस वर्ष हम ब्रिक्स के 20 साल मना रहे हैं। 2006 में जब इस समूह की शुरुआत हुई थी तो इसमें केवल चार देश थे। आज ब्रिक्स और ब्रिक्स पार्टनर्स मिलाकर 21 देशों का हमारा परिवार है।

पीएम ने कहा कि आज ब्रिक्स के देश, विश्व की 50 प्रतिशत पॉपुलेशन, 40 प्रतिशत जीडीपी और 25 प्रतिशत से अधिक ट्रेड को रिप्रेजेंट करते हैं। इतना ही नहीं, इन वर्षों में जहां ग्लोबल जीडीपी करीब 1.5 गुना हुई है, वहीं ब्रिक्स देशों की कंबाइन जीडीपी करीब 4.5 गुना हुई है। यानी ब्रिक्स की इकोनॉमिक स्ट्रैंथ दुनिया की तुलना में करीब दो गुने रफ्तार से बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स देश ग्लोबल इनोवेशन और सॉल्यूशन के महत्वपूर्ण सेंटर्स बन रहे हैं। ग्रासरूट से लेकर फ्रंटियर टेक्नोलॉजी तक हमारे देशों में इनोवेशन की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। ब्रिक्स की बढ़ती स्केल, स्पीड और ऑप्टिमिज्म हमारे बीच साफ दिखाई दे रही है। भारत में आयोजित ये फोरम अब तक का सबसे बड़ा ब्रिक्स बिजनेस फोरम है। पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल ट्रेड तभी आगे बढ़ सकता है जब समुद्री रास्ते सुरक्षित हों, सप्लाई रूट खुले हों और समुद्री यात्री सुरक्षित हों।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को गिफ्ट की किताब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को महान तमिल पुस्तक तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद गिफ्ट किया है। पीएम मोदी ने पुतिन को ये पुस्तक भेंट करते हुए इसके बारे में जानकारी दीं और कहा कि हमारे सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाने में इस पुस्तक की भूमिका रहेगी। संत तिरुवल्लुवर ने इस किताब में मानव जीव की अनेक विशेषताओं को बतलाया है। इसी किताब का रूसी भाषा में ट्रांसलेशन हुआ है। तिरुक्कुरल तमिल साहित्य की सबसे महान और विश्व प्रसिद्ध रचनाओं में से एक है। इसे तमिल वेद भी कहा जाता है. इस पुस्तक का रूसी समेत कई भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। इस किताब को 2000 साल पहले लिखा गया है।

भारत व रूस के बीच होगा 100 अरब डॉलर का व्यापार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रप्रति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को कई अहम मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। यह बातचीत करीब 45 मिनट तक चली। इस दौरान मुख्य रूप से साल 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। इसके अलावा, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर बात हुई। मुलाकात के दौरान दोनों देशों के पहले से ही मजबूत रक्षा सहयोग के और विस्तार पर भी गहन चर्चा की। पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। इसके अलावा पीएम मोदी ने रूस के साथ औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर भी बातचीत की। साथ ही रेलवे क्षेत्र और सुरंग निर्माण में सहयोग, स्टील वैल्यू चेन का विकास और भारतीय निर्यातकों के लिए रूसी बाजार तक पहुंच बढ़ाने को लेकर भी बातें हुईं। वहीं, दोनों नेताओं के बीच असैन्य परमाणु सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। इसमें ईंधन चक्र और जीवन चक्र का समर्थन शामिल है। वहीं, रूस में कुशल भारतीय श्रमिकों की आमद बढ़ाने और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग पर भी चर्चा हुई। इससे पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा था कि दोनों पक्ष ब्रह्मोस मिसाइल के उन्नयन पर विचार कर रहे हैं। इसके साथ ही मॉस्को अपनी शेष एस-400 मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रस्तावित सुखोई-57 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति पर भी चर्चा कर रहा है।

पीएम मोदी और पुतिन के बीच 45 मिनट तक चली वार्ता

पुतिन ने पश्चिम देशों पर कसा तंज

ब्रिक्स के 18वें समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने शुक्रवार को बिजनेस फोरम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्रिक्स के जरिए मुश्किलों का सामना किया जा सकता है। हमारा लक्ष्य ब्रिक्स देशों के बीच में व्यापार को बढ़ावा देना है। आज पश्चिमी देश कमजोर हो रहे हैं। ब्रिक्स ने जी-7 देशों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने पश्चिमी देशों के समूह जी-7 की अहमियत पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज ब्रिक्स देश वैश्विक जीडीपी में 40 फीसदी का योगदान देते हैं, जबकि जी-7 देश केवल 28 से 29 फीसदी ऐसे में पता नहीं वह अपने आप को जी-7 क्यों बोलते हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भारत मंडपम से पश्चिमी देशों के ऊपर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स आज जी-7 देशों से आगे निकल चुका है। ऐसे में अब वह अपना दबदबा फिर से हासिल करने के लिए बुरे तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें जलमार्गों को रोकना और समुद्री जहाजों को जब्त करने शामिल है।

प्रदेश में करीब 5 लाख किमी का सड़क नेटवर्क

25 सितंबर से प्रदेश में शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

2030 तक 75% गांवों तक बसें पहुंचाने का लक्ष्य, 150 सिटी, 450 इंटरसिटी और 436 इंटरस्टेट रूट होंगे विकसित

● इंदौर

मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नए सिरे से विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026 का शुभारंभ करते हुए घोषणा की कि 25 सितंबर से प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का मंगल आरंभ होगा। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 के अंत तक प्रदेश के 75 प्रतिशत गांवों तक बस सेवा पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में करीब पांच लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है और यहां 15 हजार से अधिक बसों के संचालन की क्षमता है। सरकार प्रदेश को देश का सबसे बेहतर सार्वजनिक परिवहन मॉडल बनाने की दिशा में काम कर रही है। नई परिवहन व्यवस्था में एक राज्य-एक बस सेवा के तहत यात्रियों को सुगम और भरोसेमंद आवागमन की सुविधा देने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित किए जाएंगे। बसों का संचालन पीपीपी मॉडल पर होगा और आईटीएमएस तकनीक के साथ आधुनिक टर्मिनल व डिपो विकसित किए जाएंगे। यात्रियों की सुरक्षा के लिए बसों में सीसीटीवी, जीपीएस, पैनिक बटन और रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था रहेगी। ईवी और सीएनजी बसों को प्राथमिकता दी जाएगी।

55 जिलों के रूट सर्वे से तैयार होगा नेटवर्क

परिवहन विभाग ने प्रदेश के सभी 55 जिलों का रूट सर्वे पूरा कर लिया है। इसके आधार पर लगभग 150 सिटी, 450 इंटरसिटी और 436 इंटरस्टेट रूट विकसित किए जाएंगे। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेशवासियों को सही बस, सही मार्ग और सही समय के अनुरूप विश्वसनीय परिवहन सेवा उपलब्ध कराना है।

इंदौर और भोपाल में पिंक बाइक-टैक्सी

फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमपीवायपीआईएल) और रेपिडो के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत इंदौर और भोपाल में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सेवा शुरू होगी। महिलाओं द्वारा संचालित रेपिडो पिंक बाइक-टैक्सी को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

गोटमार मेले में 1300 से अधिक घायल, 8 की हालत गंभीर

घायलों को किया नागपुर रेफर, झंडा चंडी माता मंदिर पहुंचने के साथ ही खेल का समापन

पांढुर्णा, आरएनएन। शुक्रवार को गोटमार मेले में झंडे पर कब्जे के लिए पांढुर्णा और सावरगांव पक्ष के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। मेले में 1300 से अधिक लोग घायल हुए। इनमें 8 की हालत गंभीर होने पर नागपुर रेफर किया गया। शाम को पांढुर्णा पक्ष के युवक ने कुल्हाड़ी से जाम नदी के बीच लगा पलाश का झंडा काट दिया। झंडा चंडी माता मंदिर पहुंचने के साथ ही खेल का समापन हो गया। झंडा काटने के दौरान 3 युवक टिन के नीचे दब गए। उन पर भी पत्थर बरसाए गए। इसका वीडियो सामने आया है। एक अन्य वीडियो में युवक गमछे से गोफन बनाकर पत्थर मारता नजर आया। सचिन हाटेकर का पैर टूटा। प्रीतम योगेश राउत के सिर और सीने में चोट आई। सावरगांव के 30 वर्षीय संजय धारपुरे का सिर और पैर में चोट लगी। 33 वर्षीय नितिन भादे का पैर टूटा। सचिन नासरे, कैलाश नंदू साहू, राजू कामडे और जीवन सलामे भी गंभीर घायल हुए। सभी 8 को रेफर किया गया है।

कईयों के सिर फूटे, हड्डियां टूटीं, पांच साल का बच्चा भी घायल

जहरीली शराब कांड के मुख्य आरोपी का हुआ शार्ट एनकाउंटर

रवि लखेरा पर घोषित किया गया था 20 हजार का इनाम

खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर किए थे तीन फायर

सागर, आरएनएन। बंडा में जहरीली शराब कांड में कई लोगों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ शुरू की। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इस कांड के मुख्य आरोपी रवि लखेरा को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रवि लखेरा लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। शुक्रवार तडक़े मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने बरायठा के जंगल में स्थित हनुमान टोंग मंदिर पर पहुंची।

50 लाख की रिश्वत के आरोप में सीबीएन इंस्पेक्टर गिरफ्तार

पटना से आई सीबीआई की विशेष टीम ने की कार्रवाई

नीमच, आरएनएन। जिले में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) में कथित भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। पटना सीबीआई की विशेष टीम ने सीबीएन इंस्पेक्टर सिद्धार्थ श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि एनडीपीएस मामलों में राहत देने के एवज में 50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी।

संदिग्ध डिजिटल लेनदेन के सबूत मिलने के बाद सीबीआई ने यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, सीबीआई टीम ने गुरुवार देर शाम नीमच स्थित नारकोटिक्स कॉलोनी में इंस्पेक्टर के सरकारी आवास पर कार्रवाई शुरू की। कई घंटे चली जांच के बाद उन्हें कैंट थाने ले जाया गया।

आविष्कार आईआईटी रुड़की का कमाल, बिना बैटरी के करेगी काम, 3 गुना तेज इलाज

चलने-फिरने से ही जख्मों को भरेगी स्मार्ट पट्टी

● नई दिल्ली,

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएनएसटी), मोहाली के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी क्रांतिकारी स्मार्ट पट्टी तैयार की है, जो शरीर की स्वाभाविक हलचल से ही घावों को तेजी से भरने में मदद करती है। 3डी-एमआईडीएएस नाम की यह इलेक्ट्रॉनिक पट्टी पूरी तरह से बैटरी-रहित है।

जब कोई व्यक्ति चलता-फिरता या हिलता-डुलता है और यह लचीली पट्टी खिंचती है, तो यह खुद-ब-खुद इलेक्ट्रिकल सिग्नल (विद्युत संकेत) पैदा करने लगती है। यानी इसे चार्ज करने के लिए न तो किसी बाहरी बैटरी की जरूरत है, न ही तारों या किसी पावर सोर्स की। जब त्वचा पर कोई चोट या घाव लगता है, तो कोशिकाओं को ठीक करने वाले शरीर के प्राकृतिक विद्युत संकेत बाधित हो जाते हैं। यह नई पट्टी जख्म को सुरक्षित ढकने के साथ-साथ वही कुदरती सिग्नल दोबारा पैदा करने का काम करती है।

लैब, कोशिकाओं और चूहों पर सफल परीक्षण

शोधकर्ताओं ने लैब के भीतर और जानवरों पर इस तकनीक का कड़ा परीक्षण किया है। पेट्री डिश में किए गए लैब टेस्ट के दौरान इस पट्टी ने सामान्य स्थिति की तुलना में 3 गुना तेजी से कोशिकाओं का विकास और 2.5 गुना तेजी से उनकी मूवमेंट दर्ज की। चूहों पर किए गए परीक्षणों में इस बैंड-एड से इलाज किए गए घाव 13 से 15 दिनों के भीतर 90 से 95 फीसदी तक भर गए। वैज्ञानिकों को नई रक्त वाहिकाओं, त्वचा के ऊतकों और कोलेजन का बेहतर विकास देखने को मिला। जब इसे स्वतंत्र रूप से घूमने वाले चूहों के जख्मों पर लगाया गया, तो उनके चलने-फिरने मात्र से यह पट्टी बिना किसी बाहरी बल के लगातार इलेक्ट्रिकल सिग्नल पैदा करती रही।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-भगवान को परेशान क्यों कर रहे हो

क्या वे इससे खुश होंगे; राजस्थान के महावीर जैन मंदिर प्रबंधन विवाद में सुनवाई पूरी

जयपुर।

राजस्थान के करौली में प्रसिद्ध श्री महावीर जी जैन मंदिर के प्रबंधन और संचालन को लेकर जैन धर्म के श्वेतांबर और दिगंबर पक्षों के बीच चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने फैसला सुरक्षित रखते हुए दोनों पक्षों को 8 दिन में लिखित बहस दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान धार्मिक संवेदनशीलता का जिक्र करते हुए जस्टिस पारदीवाला ने दोनों पक्षों से इस मुद्दे को बेहद सावधानी से निपटाने की बात कही। उन्होंने दोनों पक्षों से मुकदमेबाजी समाप्त करने की अपील करते हुए कहा- यह बहुत ही नाजुक और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मुद्दा है। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना, क्या आप यह उम्मीद करते हैं कि सुबह श्वेतांबर अपने तरीके से अनुष्ठान करेंगे और शाम को दिगंबर भगवान के वस्त्र बदलकर अपने तरीके से पूजा-अर्चना करेंगे? आप महान भगवान को परेशान क्यों कर रहे हैं? इस धरती पर अवतरित सबसे महान संतों में से एक के नाम पर यह अनावश्यक मुकदमेबाजी क्यों? क्या आपको लगता है कि इस सबसे वे खुश होंगे?

क्या हैं दोनों पक्षों की दलीलें?

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि इस मामले में पूजा स्थल के परिवर्तन की कोई मांग नहीं की गई है, इसलिए पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 इस मामले में लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल संपूर्ण जैन समुदाय के हित में मंदिर के प्रबंधन से जुड़ा है। वरिष्ठ अधिवक्ता आर्यमा सुंदरम (याचिकाकर्ता- दिगंबर समिति) ने तर्क दिया कि हाईकोर्ट को अपील पर सुनवाई नहीं करनी चाहिए थी, क्योंकि 1991 के कानून के तहत कार्यवाही समाप्त कर दी गई थी। चूंकि 1991 के एक्ट में अपील का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए दूसरे पक्ष को रिट याचिका दाखिल करनी चाहिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि यह

एक स्थापित तथ्य है कि मूर्ति (देवता), मंदिर और उससे जुड़ी संपत्तियों का नियंत्रण, कब्जा और प्रबंधन दिगंबर जैन संप्रदाय के पास ही रहा है। यह मामला राजस्थान सार्वजनिक ट्रस्ट अधिनियम, 1959 की धारा 40 के तहत दायर एक आवेदन से शुरू हुआ था। इसमें मंदिर का प्रबंधन संभाल रही दिगंबर समिति (प्रबंधकारिणी कमेटी दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी) के अध्यक्ष और सचिव को हटाने तथा श्वेतांबर संप्रदाय की एक नई प्रबंधन समिति बनाने की मांग की गई थी।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

हिरानगर सेक्टर में फेंसिंग के पास पकड़ा गया

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षा बलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसे हिरानगर सेक्टर के बोबिया इलाके में सीमा पर लगी फेंसिंग के पास पकड़ा गया। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र करीब 65 साल है। सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सीमा पार करने की परिस्थितियों और इलाके में उसकी मौजूदगी के मकसद की जानकारी जुटाई जा रही है। ये पिछले 3 में स्लृष्ट पर घुसपैठ की 5वीं घटना है।

हैदराबाद में सेना के चोरी हुए हथियार जब्त

सेना का पूर्व हवलदार अरेस्ट, 2 रूम के ताले तोड़ चुराए थे हाईटेक वेपंस

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने शुक्रवार को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से चोरी हुए सेना के सभी हथियार जब्त कर लिए हैं। इस मामले में पुलिस ने सेना के पूर्व हवलदार उप्पुथल्ला मल्लेश को अरेस्ट किया है। तेलंगाना के डीजीपी सी.वी. आनंद ने यह जानकारी दी। चोरी का मामला 31 अगस्त को तब सामने आया था, जब मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल ने हैदराबाद के बोलाराम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, लगभग 40 मीटर की दूरी पर स्थित दो शस्त्रागार रूम के ताले तोड़कर बड़ी संख्या में हाईटेक वेपंस चोरी कर लिए गए थे।

रामदेवजी का प्रसिद्ध भादवा मेला : अहमदाबाद से आए भक्त, रामदेवरा में तैयार कर रहे 11 हजार लड्डू

जोधपुर. पश्चिमी राजस्थान का महाकुंभ कहलाने वाला बाबा रामदेव का भादवा मेला इन दिनों अपने पूरे सबाब पर चल रहा है. देश के अलग-अलग स्थान से प्रतिदिन चार लाख के करीब लोग रामदेवरा पहुंच रहे हैं. इसी कड़ी में उन भक्तों की सेवा करने के उद्देश्य से गुजरात के अहमदाबाद से चार दर्जन से अधिक लोग यहां पर पद यात्रियों की सेवा करने के लिए रामदेवरा पोकरण सड़क मार्ग पर अपना डेरा डाल रखा है.

11 हजार लड्डुओं से होगी भक्तों की सेवा

विशेष करके उनके द्वारा 11 हजार ड्रायफरूट मोतीचूर देसी घी के लड्डूओं का निर्माण कार्य पिछले तीन दिनों से किया जा रहा है. उनका भोग बाबा की समाधि पर लगाने के बाद उन लड्डूओं को पैदल चलकर आने वाले भक्तों में वितरण किया जाएगा. इसको लेकर गुजरात के सभी कार्यकर्ता जी जान से सड़क मार्ग पर मेहनत करते हुए दिखाई दे रहे हैं.

10 साल से कर रहे रामदेवरा में सेवा

वह पिछले 10 साल से भी अधिक समय से रामदेवरा आ रहे हैं. हर साल मेले में यहां आकर भक्तों की सेवा करने का अलग ही आनंद है. इस बार उनके द्वारा 11 हजार लड्डूओं का निर्माण कार्य किया जा रहा है.

पदयात्रियों की जगह-जगह हो रही मनुहार

रामदेवरा पोकरण सड़क मार्ग पर लाखों की संख्या में लोग पदयात्रा करते हुए रामदेवरा पहुंच रहे हैं. ऐसे में अलग-अलग स्थान पर अपने-अपने हिसाब से लोग उन पद यात्रियों की मान मनुहार के साथ सेवा भी करते हुए दिखाई दे रहे हैं.

होर्मुज के बाद अब दूसरे तेल रूट पर संकट

सना

होर्मुज स्ट्रेट के बाद अब एक और समुद्री ऑयल रूट बाब अल-मंदेब स्ट्रेट संकट में है। यमन के हूती विद्रोहियों ने यहां कब्जे का एलान किया है। बाब-अल-मंदेब एशिया और यूरोप के बीच जहाजों की आवाजाही के लिए अहम रास्ता है।
हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि सऊदी समर्थित सेनाओं ने बाब अल-मंदेब के बीच स्थित पेरिम द्वीप पर से कंट्रोल खो दिया है। अब उनका 5,400 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा हो गया है। हूती प्रवक्ता ने कहा कि इस स्ट्रेट से सऊदी अरब को छोड़, बाकी सभी देशों के जहाजों के गुजरने की इजाजत है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि सऊदी अरब ने उनकी आर्थिक नाकेबंदी कर रखी है।

शाहपुरा में वोटिंग खत्म, अब दावों की जंग शुरू

भाजपा-कांग्रेस दोनों के बहुमत के दावे, लेकिन बोर्ड की चाबी निर्दलीयों के हाथ में!

35 वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न; 40 निर्दलीयों ने बिगाड़े दोनों दलों के गणित

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। मूलचन्द पेसवानी शाहपुरा नगर पालिका की सत्ता किसके हाथ में जाएगी, इसका फैसला अब ईवीएम के पेट में कैद हो चुका है। शुक्रवार को नगर पालिका के 35 वार्डों के लिए मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मतदान समाप्त होते ही जहां प्रत्याशियों और समर्थकों ने राहत की सांस ली, वहीं शाहपुरा की राजनीति में असली खेल अब शुरू हो गया है। मैदान में भाजपा और कांग्रेस जैसे दो प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशी थे, लेकिन 40 निर्दलीयों की मौजूदगी ने चुनाव को दोतरफा मुकाबले से निकालकर कई वार्डों में पूरी तरह उलझा दिया। अब राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यही है अगर किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो बोर्ड की चाबी आखिर किसके हाथ होगी? जवाब है निर्दलीय।

भाजपा के पास खोने को बहुत है मगर कांग्रेस को तो कुछ भी मिलता है तो वह लाभ की स्थिति में रहने वाली है।

शुक्रवार को मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही तो रही, लेकिन पिछले चुनावों की तुलना में ऐसा कोई खास उत्साह नजर नहीं आया। खास तौर पर युवा मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम दिखाई दी। जिस पीढ़ी को राजनीति का नया चेहरा और लोकतंत्र की नई ताकत माना जा रहा है, उस जेन-जी वर्ग की मौजूदगी मतदान केंद्रों पर अपेक्षाकृत कम रही। इस बार चुनाव में कई जगहों पर पुराने राजनीतिक समीकरण, व्यक्तिगत संपर्क, जातीय-सामाजिक समीकरण और प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़ ज्यादा महत्वपूर्ण दिखाई दी। मतदान के दौरान भाजपा और कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता अपने-अपने प्रत्याशियों के पक्ष में सक्रिय नजर आए। लेकिन इस चुनाव की सबसे दिलचस्प तस्वीर यह रही कि दोनों ही दलों को अपने भीतर के असंतोष और बागियों से जूझना पड़ा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जहां भाजपा-कांग्रेस के बीच वोटों का अंतर कम होगा, वहां बागी प्रत्याशी परिणाम की दिशा बदल सकते हैं। ऐसे में चुनाव जीतने वाला प्रत्याशी भले एक वोट से आगे निकले, लेकिन उसकी जीत के पीछे किसी तीसरे प्रत्याशी द्वारा काटे गए वोटों की कहानी भी छिपी हो सकती है।

विधायक बैरवा का दावा-भाजपा बनाएगी स्पष्ट बहुमत का बोर्ड

शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने भाजपा के पक्ष में बड़ा दावा किया। उनका कहना है कि भाजपा शाहपुरा नगर पालिका में स्पष्ट बहुमत हासिल कर बोर्ड बनाएगी। विधायक के मुताबिक शाहपुरा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से विकास कार्यों को और गति मिलेगी। उनका दावा है कि उनके द्वारा शुरू की गई विकास की राजनीति को नगर पालिका में भाजपा बोर्ड मिलने के बाद मजबूती मिलेगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या मतदाताओं ने इस राजनीतिक फॉर्मूले पर मुहर लगाई है? इसका जवाब ईवीएम खुलने के बाद ही मिलेगा।

कांग्रेस का पलटवार-जनता ने भाजपा को नकार दिया-

भाजपा के बहुमत के दावे के जवाब में कांग्रेस भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर और नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन ने दावा किया कि इस बार शाहपुरा में कांग्रेस स्पष्ट बहुमत के साथ बोर्ड बनाएगी। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि मतदाताओं ने प्रदेश सरकार के कथित कुशासन, शाहपुरा विधायक के कार्यकाल में कथित भ्रष्टाचार, शाहपुरा को जिला बनाए जाने की मांग, मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं और भाजपा के आंतरिक सत्ता संघर्ष को ध्यान में रखकर मतदान किया है। हालांकि इन आरोपों पर अंतिम फैसला राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि मतदाताओं की ईवीएम में दर्ज पसंद करेगी। 35 वार्डों वाली नगर पालिका में स्पष्ट बहुमत के लिए कम से कम 18 पार्षदों की जरूरत होगी। ऐसे में अगर भाजपा या कांग्रेस 18 के जादुई आंकड़े से पीछे रह जाती है तो दोनों दलों को निर्दलीयों की तरफ देखना पड़ेगा। और यही इस चुनाव का सबसे बड़ा ट्विस्ट है।

40 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें से कितने जीतेंगे, कितने बड़े दलों का खेल बिगाड़ेंगे और कितने जीत के बाद किस खेमे में जाएंगे यह अभी भविष्य के गर्भ में है।

राजनीतिक विश्लेषकों की नजर भाजपा के भीतर हुए टिकट वितरण पर भी है। चुनाव से ऐन वक्त पहले टिकटों को लेकर बनी परिस्थितियों और कई प्रभावशाली दावेदारों के टिकट से वंचित रहने को पार्टी के भीतर असंतोष का कारण माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि पिछले चुनाव में भाजपा के खिलाफ बगावत कर चुके पांच वार्डों के कुछ चेहरों को इस बार भाजपा ने प्रत्याशी बनाया। इस फैसले ने पार्टी की रणनीति पर भी सवाल खड़े किए।

कांग्रेस भी गुटबाजी से अछूती नहीं रही ऐसा नहीं है कि कांग्रेस का घर पूरी तरह व्यवस्थित रहा। कांग्रेस में भी टिकटों को अंतिम रूप देने में आखिरी समय तक खींचतान की चर्चाएं बनी रहीं। पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष बालमुकुंद तोषनीवाल को भी ऐन वक्त पर टिकट मिलने की बात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय रही। शाहपुरा नगर पालिका की निवर्तमान चेयरमैन रघुनंदन सोनी का स्वयं और परिवार के सदस्यों के चुनाव नहीं लड़ने का फैसला भी इस चुनाव की बड़ी राजनीतिक घटनाओं में गिना जा रहा है। राजनीतिक हलकों में इसे सत्ता व संगठनात्मक समन्वय की कमी और अंदरूनी परिस्थितियों से जोड़कर देखा गया।

10 वार्डों में सीधी भिड़ंत, 12 में त्रिकोण और 13 में बहुकोणीय मुकाबला-

शाहपुरा के चुनावी नक्शे को देखें तो मुकाबला हर वार्ड में एक जैसा नहीं था। 10 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर देखने को मिली। इन वार्डों में मुकाबला मूल रूप से दो प्रमुख दलों के बीच रहा। वार्ड संख्या 2, 6, 7, 9, 10, 15, 16, 19, 22, 31 और 32 में भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला बताया गया। वहीं 12 वार्डों में त्रिकोणीय संघर्ष ने मुकाबले को और रोचक बना दिया। इन वार्डों में तीसरे प्रत्याशी की भूमिका परिणाम बदलने वाली हो सकती है। वार्ड 3, 4, 12, 17, 20, 21, 23, 27, 29, 33 और 35 में त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति रही।

अध्यक्ष की कुर्सी की हॉट सीट वार्ड 6, 7, 15 और 16 पर सबकी निगाह

चुनाव परिणाम आने से पहले ही अध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक जोड़-तोड़ की संभावनाएं शुरू हो गई हैं। इनके अलावा अध्यक्ष पद के लिए अन्य दावेदार भी मैदान में हो सकते है।

अब ईवीएम बोलेगी, नेताओं के दावे नहीं-

शुक्रवार शाम मतदान समाप्त होते ही ईवीएम को सुरक्षित प्रक्रिया के तहत पैक कर दिया गया। अब प्रत्याशियों की किस्मत मशीनों में बंद है। मतदान के बाद समर्थकों के बीच अपने-अपने आंकड़े चल रहे हैं। कोई 20 पार्षदों का दावा कर रहा है तो कोई 22 का। कहीं बूथवार वोटों का हिसाब लगाया जा रहा है तो कहीं जातीय समीकरणों के आधार पर जीत-हार का अनुमान लगाया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार चुनाव लड़ने वाले कई प्रत्याशियों को परिणाम से पहले सुरक्षित रखने के लिए बाड़ाबंदी में ले जाने की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। अगर यह कवायद सच साबित होती है तो यह इस बात का संकेत होगा कि दोनों प्रमुख दलों को अपने-अपने पार्षदों के साथ-साथ बहुमत के बाद की राजनीति की भी चिंता सताने लगी है।

शाहपुरा की राजनीति में असली रोमांच अब शुरू हुआ है। क्योंकि चुनाव सिर्फ 35 पार्षद चुनने का नहीं है। मुकाबला नगर पालिका की सत्ता का है। भाजपा अपने ट्रिपल इंजन के भरोसे मैदान में है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ कथित नाराजगी और शाहपुरा जिला बहाली जैसे मुद्दों को अपनी ताकत मान रही है। और अध्यक्ष की कुर्सी के दावेदारों की निगाहें अब उन वार्डों पर टिकी हैं जहां से सत्ता की चाबी निकल सकती है। और अगर बहुमत नहीं आया तो किसकी होगी पहली दस्तक निर्दलीयों के दरवाजे पर? ईवीएम खुलेगी तो दावों की हवा निकलेगी और शाहपुरा की अगली शहरी सरकार की असली तस्वीर सामने आएगी।

शाहपुरा में विधायक बैरवा ने डाला वोट, बोले- 'ट्रिपल इंजन' की बन रही सरकार!

पीएसबी कॉलेज के वार्ड 12 बूथ पर मतदान के बाद मीडिया से हुए रूबरू, कहा- स्थानीय मतदाता विकास पर लगा रहे मुहर; शहर के कई वार्डों में पहुंचकर लिया चुनावी जायजा

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / शाहपुरा नगर पालिका चुनाव में शुक्रवार को मतदान के बीच सियासत भी पूरी तरह सक्रिय नजर आई। शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने पीएसबी कॉलेज स्थित वार्ड नंबर 12 के मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद विधायक पत्रकारों से मुखातिब हुए और शाहपुरा के चुनावी माहौल को लेकर बड़ा राजनीतिक दावा किया। विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने कहा कि शाहपुरा में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त माहौल है और स्थानीय मतदाता विकास के नाम पर मतदान कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शाहपुरा में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार बनने जा रही है।

वोट डाला और फिर बोले–विकास पर लग रही मुहर

पीएसबी कॉलेज में मतदान करने के बाद विधायक बैरवा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शाहपुरा की जनता विकास चाहती है और मतदान के जरिए विकास पर अपनी मुहर लगा रही है। उन्होंने कहा कि शहर में पूर्व चेयरमैन रघुनंदन सोनी के कार्यकाल में कई विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि जो विकास कार्य अभी लंबित हैं, उन्हें आने वाले दिनों में आगे बढ़ाकर पूरा कराया जाएगा। विधायक के इस बयान को निकाय चुनाव के बीच भाजपा के पक्ष में सीधा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है।

'ट्रिपल इंजन' के दावे से बढ़ा चुनावी रोमांच

नगर निकाय चुनाव के बीच विधायक डॉ. बैरवा का 'ट्रिपल इंजन सरकार' का बयान खासा राजनीतिक महत्व रखता है। भाजपा की ओर से केंद्र और राज्य में अपनी सरकारों के साथ स्थानीय निकाय में भी सत्ता स्थापित करने की बात लगातार राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रही है। बैरवा ने इसी कड़ी में शाहपुरा नगर पालिका में भी भाजपा समर्थित बोर्ड बनने का दावा किया। अब इस दावे की असली परीक्षा मतपेटी में दर्ज होने वाले वोटों से होगी। भाजपा के पक्ष में बताए जा रहे माहौल को मतदाता कितना समर्थन देते हैं और नगर पालिका में सत्ता का समीकरण किस ओर जाता है, इसका फैसला चुनाव परिणाम करेगा।

मतदान के बाद वार्डों में भी पहुंचे विधायक

मतदान करने के बाद विधायक डॉ. लालाराम बैरवा केवल अपने मतदान केंद्र तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने शहर के अन्य वार्डों का भी दौरा किया और चुनावी गतिविधियों का जायजा लिया।

उनके वार्ड दौरे को मतदान के बीच भाजपा प्रत्याशियों और समर्थकों में उत्साह बढ़ाने की कवायद के तौर पर भी देखा जा रहा है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में चुनावी माहौल और मतदान की स्थिति को लेकर उन्होंने जानकारी ली।

अब दावों की परीक्षा मतदाता के हाथ में-

शाहपुरा में नगर पालिका के 35 वार्डों के लिए मतदान जारी है। सुबह से ही प्रत्याशी और उनके समर्थक अपने-अपने मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में जुटे हैं। एक ओर भाजपा जीत के दावे कर रही है, वहीं कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी भी अपने-अपने समीकरणों के आधार पर जीत का दावा कर रहे हैं। विधायक बैरवा के 'ट्रिपल इंजन' वाले बयान ने चुनावी मुकाबले को और राजनीतिक रंग दे दिया है। लेकिन लोकतंत्र में अंतिम फैसला मंच से नहीं, मतदान केंद्र की गोपनीय वोटिंग और मतगणना की मेज पर होता है।

आज नेता दावे कर रहे हैं...

प्रत्याशी अपनी जीत का गणित लगा रहे हैं...

समर्थक अपने-अपने आंकड़े गिना रहे हैं...

लेकिन शाहपुरा की जनता ने किसे चुना है–यह ईवीएम ही बताएगी।

शाहपुरा नगर पालिका की अगली सरकार किसकी होगी, इसका जवाब अब मतदाता के वोट में बंद है।

मेहरू कलां में तेजा मेले में उमड़ा जनसैलाब

अलगोजे और ढोल की थाप पर झूमे मेलार्थी; भारी भीड़ के बीच पुलिस नदारद, सुरक्षा पर उठे सवाल

एक दर्जन से अधिक बिंदोलियों ने बांधा समां, वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 24 से अधिक टीमों ने दिखाया दमखम; सुरक्षा व्यवस्था के अभाव पर ग्रामीणों में दिखा रोष...

स्मार्ट हलचल

मेहरू कलां/भीलवाड़ा। मेहरू कलां गांव में आयोजित वार्षिक लोक देवता वीर तेजाजी के मेले में आस्था, लोक संस्कृति और पारंपरिक उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। आसपास के दर्जनों गांवों से पहुंचे हजारों मेलार्थियों से पूरा मेला परिसर खचाखच भर गया। एक दर्जन से अधिक बिंदोलियों (वर-घोड़ी जुलूस) के पहुंचने और अलगोजे व ढोल की थाप पर गूंजते लोकगीतों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। हालांकि, मेले में उमड़े भारी जनसमूह के बीच पुलिस जाप्ते की अनुपस्थिति और ढीली सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में गहरा असंतोष देखा गया।

अलगोजे की तान पर झूमे ग्रामीण, हाट-बाजार में रही रौनक

मेले के दौरान पारंपरिक लोक गायकों ने अलगोजे की मधुर धुन और ढोल-नगाड़ों की थाप पर तेजाजी महाराज की कथा और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर मेलार्थियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेला परिसर में एक दर्जन से अधिक बिंदोलियां पहुंचीं, जिनका ग्रामीणों ने स्वागत किया। मेले में ग्रामीण परिवेश की जीवंत छटा नजर आई। जगह-जगह लगे झूले-चकरी, मनिहारी, सौंदर्य प्रसाधन और पारंपरिक मिठाइयों की दुकानों पर ग्रामीणों व बच्चों ने जमकर खरीदारी की, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला।

हजारों की भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था नदारद, ग्रामीणों में आक्रोश

मेले में अपार जनसमूह और महिलाओं व बच्चों की भारी मौजूदगी के बावजूद प्रशासन व पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नजर नहीं आए। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इतने बड़े जन आयोजन में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी न के बराबर रही, जिससे किसी भी अप्रिय घटना या अव्यवस्था की स्थिति में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए। ग्रामीणों ने मांग की कि भविष्य में ऐसे बड़े धार्मिक आयोजनों पर पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात किया जाए ताकि सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रह सके।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दो दर्जन टीमों ने दिखाया दमखम

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों का भी आयोजन हुआ। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में क्षेत्र की दो दर्जन से अधिक (24 से ज्यादा) टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खिलाड़ियों ने खेल भावना और कड़े अनुशासन के साथ शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया, जिसका दर्शकों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया।

90 बसंत पार कर चुकीं प्रेमकंवर व्हीलचेयर पर पहुंचीं बूथ, डाला वोट

पीएसबी कॉलेज के वार्ड 12 मतदान केंद्र पर बुजुर्ग महिला का जज्बा बना मिसाल, बोलीं 'लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान जरूरी'

पौत्र, पुत्र और पुत्रवधू भी साथ पहुंचे; परिवार ने मतदाताओं से की मतदान की अपील

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / शाहपुरा नगर पालिका चुनाव में शुक्रवार को मतदान के दौरान लोकतंत्र की एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने उम्र और शारीरिक परेशानी की सीमाओं को पीछे छोड़ दिया। 90 बसंत पार कर चुकीं प्रेमकंवर यादव ने नरम स्वास्थ्य और अधिक उम्र की परवाह किए बिना व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पीएसबी कॉलेज में बनाए गए वार्ड संख्या 12 के मतदान केंद्र पर जब प्रेमकंवर यादव व्हीलचेयर पर पहुंचीं तो उनका जज्बा आसपास मौजूद लोगों के लिए प्रेरणा बन गया। उम्र के इस पड़ाव पर भी मतदान को लेकर उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान ही मजबूत राष्ट्र का आधार है और प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

90 की उम्र में भी वोट की ताकत पर भरोसा

प्रेमकंवर यादव ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि आज महिलाएं समाज का आधा हिस्सा हैं, इसलिए महिलाओं को भी मतदान में पूरी भागीदारी निभानी चाहिए। उनका कहना था कि जब देश और लोकतंत्र ने हमें मतदान का अधिकार दिया है तो इस अधिकार का इस्तेमाल करना भी हमारा कर्तव्य है। इसी सोच के साथ उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बावजूद मतदान केंद्र तक पहुंचने का निर्णय लिया। व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचीं प्रेमकंवर ने बिना किसी हिचक के मतदान किया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाई।

अकेली नहीं, पूरा परिवार साथ पहुंचा

प्रेमकंवर यादव के इस लोकतांत्रिक जज्बे में उनका परिवार भी पूरी तरह साथ रहा। उनके साथ उनके पौत्र अधिवक्ता कुलदीप सिंह यादव, पुत्र स्टांप वेंडर एवं पूर्व पार्षद भगवान सिंह यादव तथा पुत्रवधू शिक्षिका लक्ष्मीकंवर यादव भी मतदान केंद्र पहुंचे। परिवार के सदस्यों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। परिवार ने मतदाताओं से अपील की कि वे मतदान को लेकर किसी तरह की उदासीनता नहीं बरतें और अपने परिवार के साथ मतदान केंद्र तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि मतदान केवल उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि अपने शहर के भविष्य में भागीदारी निभाने का अवसर भी है।

जब 90 साल की उम्र में पहुंच सकती हैं, तो हम क्यों नहीं?

नगर पालिका चुनाव में कई बार मतदाता छोटी-छोटी परेशानियों या व्यस्तता के कारण मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचते। ऐसे में प्रेमकंवर यादव का मतदान करना एक बड़ा संदेश दे गया। 90 वर्ष की उम्र में व्हीलचेयर पर बैठकर मतदान केंद्र तक पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि मतदान के लिए उम्र नहीं, इच्छाशक्ति जरूरी है। जहां युवा और स्वस्थ मतदाता मतदान के लिए अपने समय का इंतजार करते नजर आते हैं, वहीं प्रेमकंवर ने अपनी उम्र और स्वास्थ्य को लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया।

उनकी मतदान केंद्र तक पहुंचने की तस्वीर ने यही संदेश दिया–

'शरीर थक सकता है, लेकिन लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी नहीं थकनी चाहिए।'

महिलाओं के लिए भी दिया खास संदेश

प्रेमकंवर यादव ने महिलाओं को मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संदेश दिया। उनका कहना था कि महिलाओं की आबादी समाज का बड़ा हिस्सा है और लोकतंत्र में उनकी आवाज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ अपने मताधिकार की जिम्मेदारी भी जरूर निभाएं।

उनकी इस अपील को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि स्थानीय निकाय चुनाव सीधे तौर पर शहर की रोजमर्रा की व्यवस्थाओं और नागरिक सुविधाओं से जुड़े होते हैं। नगर की सड़क, सफाई, नाली, पानी, रोशनी और अन्य स्थानीय समस्याओं के लिए चुने जाने वाले प्रतिनिधि की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

परिवार ने भी कहा–साथ चलें, मतदान करें

प्रेमकंवर के पौत्र अधिवक्ता कुलदीप सिंह यादव, पुत्र भगवान सिंह यादव और पुत्रवधू लक्ष्मीकंवर यादव ने भी मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की।

परिवार के साथ मतदान केंद्र पहुंचने का उद्देश्य भी यही रहा कि घर के सभी सदस्य लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदारी निभाएं।

परिवार के सदस्यों ने कहा कि मतदान के दिन राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर शांतिपूर्वक अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। किसी के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी समझ और पसंद के अनुसार मतदान करना चाहिए।

चुनावी शोर से अलग रही यह तस्वीर

शाहपुरा नगर पालिका चुनाव में सुबह से ही विभिन्न वार्डों में प्रत्याशियों और समर्थकों की सक्रियता रही। कहीं मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने की कोशिश हुई तो कहीं बूथों पर समर्थकों की आवाजाही रही।

लेकिन पीएसबी कॉलेज के बूथ पर 90 वर्षीय प्रेमकंवर की व्हीलचेयर वाली तस्वीर चुनावी शोर से कहीं ज्यादा प्रभावी संदेश देती नजर आई।

यह तस्वीर किसी पार्टी या प्रत्याशी के पक्ष में नहीं थी। यह तस्वीर थी लोकतंत्र में नागरिक की भूमिका की।

प्रेमकंवर ने अपने मतदान से यह साबित किया कि चुनाव चाहे विधानसभा का हो, लोकसभा का या नगर पालिका का–मतदान का महत्व हर स्तर पर समान है।

शाहपुरा के मतदाताओं के लिए प्रेरणा बनीं प्रेमकंवर नगर पालिका चुनाव में मतदाता अपने वार्ड के प्रतिनिधि का चुनाव कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में शहर की स्थानीय सरकार किन मुद्दों पर काम करेगी और विकास की दिशा क्या होगी, इसमें चुने गए पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

ऐसे में 90 बसंत पार कर चुकी प्रेमकंवर यादव का मतदान करना खास संदेश देता है।

जिस उम्र में लोग घर से निकलने से बचते हैं, उस उम्र में प्रेमकंवर लोकतंत्र के दरवाजे तक पहुंचीं। व्हीलचेयर पर बैठकर मतदान केंद्र पहुंचीं और वोट डालकर उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी की। अब उनकी यह तस्वीर उन मतदाताओं के लिए सवाल भी छोड़ती है जो स्वस्थ और सक्षम होने के बावजूद मतदान से दूरी बना लेते हैं–

'जब 90 साल की प्रेमकंवर वोट डाल सकती हैं, तो हम क्यों नहीं?'

एक वोट की ताकत को समझना होगा

मतदान केंद्र पर पहुंचकर प्रेमकंवर यादव ने सिर्फ अपना वोट नहीं डाला, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए एक संदेश भी छोड़ा।

वोट किसी पर एहसान नहीं है।

वोट लोकतंत्र में नागरिक का अधिकार है।

और इस अधिकार का इस्तेमाल करना जिम्मेदारी भी है।

शाहपुरा नगर पालिका चुनाव में अब हजारों मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रत्याशी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं, राजनीतिक दल अपने-अपने समीकरण देख रहे हैं और समर्थक मतदान प्रतिशत का गणित लगा रहे हैं।

व्हीलचेयर से बूथ तक जज्बा, Gen Z के जोश ने भी बदला सियासी मिजाज

आसींद में 80+ बुजुर्गों ने उम्र को दी मात, हमीरगढ़ में दिव्यांग मतदाता ने दिखाई लोकतंत्र की ताकत

युवा मतदाताओं में बदलाव की चाहत, 9 निकायों में 77.50 से 87.50 फीसदी तक मतदान; अब ईवीएम में बंद है सियासी फैसला

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) नगर निकाय चुनाव में शुक्रवार को लोकतंत्र की तस्वीर सिर्फ बुजुर्गों के जज्बे तक सीमित नहीं रही। आसींद में 80+ बुजुर्ग व्हीलचेयर के सहारे बूथ तक पहुंचे, हमीरगढ़ में दिव्यांग मतदाता ने शारीरिक चुनौती को मात देकर वोट डाला तो दूसरी ओर Gen Z के युवा मतदाताओं में भी मतदान को लेकर जबरदस्त जोश दिखाई दिया। युवाओं में बदलाव, बेहतर विकास और नई पीढ़ी को राजनीति में अवसर देने की उम्मीद साफ नजर आई।

एक तरफ उम्रदराज मतदाता लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने पहुंचे, तो दूसरी तरफ पहली बार या हाल के वर्षों में मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर रही युवा पीढ़ी ने भी बूथ पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। यानी इस चुनाव में अनुभव, जज्बे और युवा सोच–तीनों एक ही कतार में खड़े दिखाई दिए।

Gen Z का जोश–'अब शहर की तस्वीर बदलनी चाहिए'

युवा मतदाताओं में मतदान को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। Gen Z का कहना था कि शहरों की राजनीति में नई सोच और नई पीढ़ी को मौका मिलना चाहिए। युवाओं ने सड़क, सफाई, पानी, रोजगार, शिक्षा और आधुनिक नागरिक सुविधाओं को प्रमुख मुद्दा बताया।

यह उत्साह राजनीतिक दलों के लिए भी बड़ा संकेत है। युवा वोटर अब सिर्फ पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि प्रत्याशी की छवि, स्थानीय काम और भविष्य की उम्मीदों को देखकर फैसला करने का दावा कर रहा है।

आसींद में उम्र हारी, लोकतंत्र जीता

आसींद में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता व्हीलचेयर के सहारे मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यह तस्वीर बताती है कि लोकतंत्र में भागीदारी की कोई उम्र सीमा नहीं होती।

उम्र शरीर को थका सकती है, लोकतंत्र के प्रति जज्बे को नहीं।

हमीरगढ़ में दिव्यांग मतदाता ने दिया धारदार संदेश

हमीरगढ़ में दिव्यांग मतदाता ने शारीरिक चुनौती को पीछे छोड़कर मतदान किया। यह तस्वीर चुनाव की सबसे ताकतवर लोकतांत्रिक तस्वीरों में रही।

संदेश साफ था– 'शरीर की सीमा हो सकती है, लेकिन मेरे वोट के अधिकार की नहीं। '

जिस मतदाता ने मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए अपनी शारीरिक परेशानी को पीछे छोड़ दिया, उसने सक्षम मतदाताओं के सामने भी एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया–जब मुश्किलों के बावजूद वोट दिया जा सकता है, तो मतदान से दूर रहने का बहाना क्या है

बंपर मतदान ने बढ़ाई सियासी बेचैनी

9 नगरपालिकाओं के अंतिम आंकड़ों ने प्रत्याशियों का गणित उलझा दिया है। जहाजपुर में सर्वाधिक 87.50', हमीरगढ़ में 86.65', गंगापुर में 86.60' और मांडलगढ़ में 85.99' मतदान हुआ।

बिजौलिया में 84.68', आसींद में 83.74', बनेड़ा में 83.71', शाहपुरा में 80.43' और गुलाबपुरा में 77.50' मतदान दर्ज हुआ।

अब राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ा सवाल है–बढ़े हुए मतदान का लाभ किसे मिला

क्या Gen Z का जोश किसी बदलाव का संकेत है क्या परंपरागत वोट बैंक पूरी ताकत से बूथ तक पहुंचा क्या निर्दलीयों ने भाजपा-कांग्रेस के वोटों में सेंध लगाई

इन सवालों के जवाब ही परिणाम का असली गणित तय करेंगे।

9 निकायों में मतदान का पूरा आंकड़ा

जहाजपुरः 14,548 – 87.50'
हमीरगढ़ः 7,823 – 86.65'
गंगापुरः 12,397 – 86.60'
मांडलगढ़ः 9,556 – 85.99'
बिजौलियाः 11,138 – 84.68'
आसींदः 13,960 – 83.74'
बनेड़ाः 7,170 – 83.71'
शाहपुराः 18,851 – 80.43'
गुलाबपुराः 16,969 – 77.50'

मशीन रुकी, मतदाता नहीं

हमीरगढ़ में ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण कुछ समय मतदान प्रभावित हुआ, लेकिन अंतिम मतदान 86.65 फीसदी पहुंचा। साफ है–ईवीएम कुछ देर रुकी, लेकिन मतदाताओं का उत्साह नहीं रुका।

गुलाबपुरा के वार्ड नंबर 8 में कथित फर्जी वोटिंग को लेकर हंगामा भी हुआ, जिससे चुनावी माहौल में राजनीतिक गर्मी बढ़ी।

अब ईवीएम खोलेगी सियासी राज

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित बताते हुए निर्वाचन दलों, अधिकारियों और कार्मिकों के प्रयासों की सराहना की।

अब मतदान पूरा हो चुका है। बुजुर्गों का जज्बा, दिव्यांग मतदाता की दृढ़ता और लद्गङ्ग 'का जोश–तीनों ने अपना फैसला ईवीएम में दर्ज कर दिया है।

अब देखना यह है कि–
युवा जोश किसके पक्ष में गया
परंपरागत वोट बैंक किसके साथ खड़ा रहा
निर्दलीयों ने किसका गणित बिगाड़ा
और बंपर मतदान किस पार्टी के लिए सत्ता की सीढ़ी बना

मतदाता ने वोट डाल दिया है... अब ईवीएम खोलेगी 9 नगरपालिकाओं का सियासी राज।

सवाईपुर चौकी के पास बजरी से भरा ट्रैक्टर ट्राली पकड़ा

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर /अवैध बजरी खनन रोकथाम को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत सवाईपुर चौकी पुलिस ने शुक्र वार को कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर मामला दर्ज किया । दीवान सोराज चौधरी ने बताया कि अवैध बजरी खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को नेशनल हाईवे से गुजरते अवैध बजरी परिवहन करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को चौकी के पास से जप्त कर थाने लाक र खड़ा किया । वही मामला दर्ज कर जांच शुरू की । इस कार्रवाई में दीवान सोराज चौधरी, कांस्टेबल संदीप कुमार व वाहन चालक शामिल रहे ।

बैंकों पर लगा ताला, 2 हजार करोड़ का कारोबार प्रभावित!

डेढ़ हजार से ज्यादा बैंककर्मी हड़ताल पर, पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने और हर शनिवार अवकाश की मांग को लेकर शुक्रवार को जिले के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूरी तरह कामकाज ठप रहा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर हुई देशव्यापी हड़ताल में जिले की 130 से अधिक बैंक शाखाओं के करीब 1,500 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। सुबह 10:30 बजे बैंककर्मी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बसंत विहार शाखा के बाहर जुटे और सरकार व भारतीय बैंक संघ के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। यूनियनों का आरोप है कि पांच साल से पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग लंबित है, बावजूद इसके केंद्र सरकार की मंजूरी नहीं मिल रही। हड़ताल से जिले में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का बैंकिंग कारोबार प्रभावित होने का दावा किया गया। बैंककर्मियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द फैसला नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

रामदेवरा की 600 कि.मी. पैदल यात्रा कर, गांव लौटने पर ग्रामीणों ने यात्रियों का माला पहनाकर किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

पीपलूंद। ।भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर उपखंड क्षेत्र के पीपलूंद क स्बे से राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित सुप्रसिध्द लोक देवता बाबा रामदेव जी महाराज की पैदल यात्रा के लिए 17 यात्रियों का एक दल 29 अगस्त शनिवार को सुबह 8 बजे प्रारंभ हुआ। इस पैदल यात्रा में फोरु लखारा, नोरतमल बलाई, कालू लोहार, राजू रेगर, प्रहलाद बलाई, राधेश्याम रेगर, दीपक खारोल, मुकेश कुम्हार, खाना माली, रवि बलाई, विकास बलाई, पार्वती लोहार, लीला बलाई, राधिका बलाई, भोन्या बलाई, बीना, हीरा बाई, इन सभी यात्रियों ने लगभग 600 किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा रामदेव जी के दर्शन कर अपनी यात्रा सकुशल पूरी करके 13 दिन बाद वापस गुरुवार को सुबह 10 बजे अपने गांव पीपलूंद कस्बे में स्थित बाबा रामदेव जी के मंदिर पर पहुंचे। जहां पर पूर्व उपसरपंच सावन टांक, व ग्रामीणों ने जयकारों के साथ माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान लखन सिंह, लाडू सिंह, रामदेव पुरी, लक्ष्मण खटीक, छीतर रेगर, गुड्डु मीणा, सहित इत्यादि ग्रामीण मौजूद रहे।

भादसोड़ा में कृषक प्रशिक्षण शिविर आयोजित

किसानों को कपास की उन्नत खेती और कीट नियंत्रण की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल

भादसोड़ा - कृषि विभाग चित्तौड़गढ़ के कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) के निर्देशन में कपास उत्पादकता मिशन के अंतर्गत भादसोड़ा में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शुक्रवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भादसोड़ा कस्बे के सुथारिया खेड़ा (भादसोड़ा खेड़ा) में हुआ, जिसमें किसानों को कपास की उन्नत खेती एवं उत्पादन बढ़ाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को कपास की खेती में आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देकर बेहतर उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि करना तथा बेहतर

कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। सहायक कृषि अधिकारी मुकेश जाट ने प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कपास की फसल के लिए उन्नत कृषि तकनीक, खेत की तैयारी, उपयुक्त किस्म का चयन, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट एवं रोग प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। भारतीय कपास निगम (भीलवाड़ा) के प्रतिनिधि सौरभ चौधरी ने समय पर कृषि कार्य करने और अनुशंसित तकनीक सलाह बनाने पर जोर दिया। कृषि पर्यवेक्षक प्रशांत मीणा, बबली बुनकर, साहिल खान, से.नि. सहायक कृषि अधिकारी उदयलाल सेन, सावन मेनारिया ने किसानों को कपास की फसल में बेहतर प्रबंधन अपनाकर अधिक उत्पादन प्राप्त करने के बारे में बताया।

खजीना श्री देव नंदी गौशाला में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित, 164 पशु हुए लाभान्वित, पौधारोपण किया

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर / सवाईपुर क्षेत्र के खजीना गांव में श्री देव नंदी गौशाला में शुक्रवार को राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत पशुओं में बांझपन एवं बंध्यता निवारण को लेकर विशेष पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया । इस दौरान गौशाला में पौधारोपण भी किया गया। डॉ अनिमेष जांगिड़ ने बताया कि शिविर का उद्देश्य दुधारू पशुओं में बांझपन की समस्या का उपचार, कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देना तथा बेहतर नस्ल संवर्धन को प्रोत्साहित करना रहा । शिविर के दौरान गोशाला में मौजूद गायों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य, प्रजनन एवं नस्ल सुधार से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई । शिविर में राजकीय पशु चिकित्सालय आकोला के प्रभारी डॉ. अनिमेष जांगिड़ व स्व्ह रजवंत, भीमराज, अम्बालाल और पशु परिचर ओमप्रकाश, कैलाश, राधेश्याम वेटरनरी स्टाफ मौजूद रहा । पशु चिकित्सा टीम ने गौशाला में पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया । शिविर के दौरान 27 पशुपालक के 164 पशु लाभान्वित हुए ।इस दौरान अफीम आयाम प्रमुख राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष बद्रीलाल जाट, सांवरमल जाट, रामेशवर जाट, रामपाल जाट, राधेश्याम जाट, भंवर सुथार आदि कई मौजूद रहे ।।

मोमी के ग्रामीणों ने उठाई विकास की तीन बड़ी मांगें

स्कूल भवन के लिए 2 करोड़ DMFT से मांगे, डेयरी व ग्राम सेवा सहकारी समिति के गठन की भी मांग

स्मार्ट हलचल

गरलाः- / ग्राम पंचायत मोमी, पंचायत समिति सुवाणा के ग्रामीणों ने गांव के विकास एवं ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर तीन महत्वपूर्ण मांगों के संबंध में संब ंधित अधिकारियों एवं विभागों को ज्ञापन सौ पे। ग्रामीणों ने नवसृजित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन एवं अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण के लिए जिला मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) से 2 करोड़ की राशि स्वीकृत करनेग्राम पंचायत मुख्यालय पर दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति एवं दूध संग्रहण केन्द्र स्थापित करने तथा ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड के गठन एवं पंजीयन की मांग प्रमुखता से उठाई।

विद्यालय के लिए ?2 करोड़ की मांग

ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष, DMFT भीलवाड़ा को दिए ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत मोमी में उच्च माध्यमिक विद्यालय का नवसृजन होने के बावजूद वर्तमान भवन उच्च माध्यमिक स्तर की आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त नहीं है। ग्रामीणों ने मांग की कि DMFT से ?2 करोड़ की राशि स्वीकृत कर नवीन विद्यालय भवन अथवा पर्याप्त अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निर्माण कराया जाए। भवन में विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर/आईसीटी कक्ष, पुस्तकालय, कार्यालय, छात्र-छात्राओं के पृथक शौचालय, पेयजल, विद्युत एवं खेलकूद सहित आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर एवं घुमंतू परिवार रहते हैं। गांव में ही बेहतर उच्च माध्यमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध होने से विशेष रूप से गरीब एवं ग्रामीण विद्यार्थियों और बालिकाओं को इसका लाभ मिलेगा।

पशुपालकों के लिए गांव में डेयरी की मांग

दूसरे ज्ञापन में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति एवं स्थायी दूध संग्रहण केन्द्र स्थापित करने की मांग की गई। ग्रामीणों ने बताया कि बड़ी संख्या में परिवार पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन पर निर्भर हैं। गांव में सहकारी डेयरी स्थापित होने से दूध का वैज्ञानिक गुणवत्ता परीक्षण, पारदर्शी भुगतान एवं नियमित संग्रहण संभव होगा तथा पशुपालकों को उचित मूल्य मिल सकेगा। डेयरी के लिए दूध परीक्षण मशीन, दूध मापने एवं संग्रहण उपकरण, आवश्यक भवन, विद्युत-पेयजल, कंप्यूटर-प्रिंटर तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। साथ ही महिलाओं को दुग्ध सहकारी व्यवस्था से अधिक से अधिक जोड़ने पर भी जोर दिया गया। किसानों के लिए ग्राम सेवा सहकारी समिति की मांग ग्रामीणों ने सहकारिता मंत्री एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, राजस्थान को ज्ञापन देकर ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड के गठन एवं पंजीयन की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि समिति बनने से किसानों को गांव में ही कृषि ऋण, खाद-बीज, कृषि आदान एवं अन्य सहकारी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी और उन्हें इन सुविधाओं के लिए दूरस्थ स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।ग्रामीणों ने तीनों प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों की टीम से मौका निरीक्षण, सर्वे एवं विस्तृत लागत अनुमान तैयार करवाकर आगामी बैठकों में प्रस्तावों को प्राथमिकता से शामिल करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में गोटू सिंह कानावत सोहन लोहार,रतन सिंह,बहादुर रेबारी, कालू रेबारी,हीरा लाल रेबारी,प्रह्लाद रेबारी, भगवती लाल रेबारी, गोटू रेबारी, उदय लाल रेबारी, छोगा लाल माली सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि विद्यालय, डेयरी और ग्राम सेवा सहकारी समिति–ये तीनों योजनाएं मोमी के बच्चों, किसानों, पशुपालकों, महिलाओं और गरीब परिवारों के भविष्य से सीधे जुड़ी हैं। प्रशासन द्वारा सकारात्मक कार्रवाई होने पर इससे पूरे ग्राम पंचायत क्षेत्र की शिक्षा, रोजगार एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

14 से शुरू होगा श्री चौपड़ का सेठ गणेश महोत्सव

पांच दिवसीय आयोजन में 71 हजार बत्तियों से महाआरती, गरबा व 108 हनुमान चालीसा पाठ होंगे

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। मलियान चौपड़ स्थित श्री चौपड़ का सेठ दरबार में श्री चौपड़ का सेठ समिति की ओर से पांच दिवसीय गणेश महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। पिछले 14 वर्षों से गणपति बप्पा श्री चौपड़ का सेठ स्वरूप में भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। महोत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर को प्रातः 11:15 बजे गणपति आगमन के साथ होगा। शाम 7:30 बजे गणपति जन्मोत्सव एवं राग मन बैंड द्वारा भजन क्लबिंग महोत्सव होगा। 15 सितंबर को रात 8:30 बजे से 108 हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 16 सितंबर को रात 8:30 बजे विशाल गरबा महोत्सव होगा। 17 सितंबर को शाम 8:30 बजे 71 हजार बत्तियों से महाआरती तथा भक्तिमय अंताक्षरी आयोजित होगी। महोत्सव के अंतिम दिन 18 सितंबर को प्रातः 10:15 बजे हवन-पूजन होगा तथा दोपहर 1 बजे गणपति विसर्जन के लिए प्रस्थान किया जाएगा। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन प्रातः 10 बजे और शाम 8 बजे आरती होगी। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में भाग लेने का आह्वान किया है।

87.60' मतदान ने बढ़ाई सियासी धड़कनें, पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ाबंदी से गरमाया जहाजपुर

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर अलकेश पारीक जहाजपुर। नगर पालिका चुनाव में शुक्रवार को मतदाताओं ने जमकर उत्साह दिखाया। मतदान समाप्त होने तक 87.60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। भारी मतदान के बाद जहां प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो गया, वहीं अब परिणाम से पहले जहाजपुर का सियासी पारा चढ़ने लगा है। चुनाव मैदान में उतरे प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने-अपने पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ाबंदी शुरू कर दी है, जिससे चुनावी चर्चाओं को और हवा मिल गई है। सुबह मतदान शुरू होने के साथ ही नगर के विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें नजर आईं। महिला और पुरुष मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। दिनभर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही और शाम तक मतदान का आंकड़ा 87.60 प्रतिशत तक पहुंच गया। मतदाताओं की इस बड़ी भागीदारी ने सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के चुनावी गणित को नए सिरे से उलझा दिया है। मतदान समाप्त होने के साथ ही अब प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों की नजरें वार्डवार मतदान प्रतिशत और अपने-अपने बूथों पर पड़े मतों के आंकड़ों पर टिक गई हैं। समर्थकों के बीच जीत-हार को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। कहीं अपने प्रत्याशी की मजबूत स्थिति के दावे किए जा रहे हैं तो कहीं मतदान प्रतिशत को अपने पक्ष में बताते हुए जीत का गणित बैठाया जा रहा है।

प्रत्याशियों की बाड़ाबंदी से बढ़ी हलचल

भारी मतदान के बाद अब सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने पार्षद उम्मीदवारों को एकजुट रखने की कवायद तेज कर दी है। पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ाबंदी किए जाने से राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पार्टी नेतृत्व अपने-अपने प्रत्याशियों को एकजुट रखने के साथ-साथ चुनाव परिणाम तक रणनीति को सुरक्षित रखने में जुटा हुआ है। नगर पालिका में बहुमत का आंकड़ा किस दल के पक्ष में जाता है, इसे लेकर राजनीतिक दलों के बीच अंदरखाने मंथन शुरू हो गया है। खास बात यह है कि कई वार्डों में मुकाबला नजदीकी माना जा रहा है। ऐसे में निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका भी परिणाम के बाद महत्वपूर्ण हो सकती है।

ईवीएम में बंद हुआ प्रत्याशियों का भाग्य

मतदान समाप्त होने के साथ ही प्रत्याशियों का चुनावी अभियान थम गया और उनका भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। अब 87.60 प्रतिशत मतदान के बाद सभी की निगाहें मतगणना और परिणाम पर टिकी हैं। किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी, कौन से प्रत्याशी बाजी मारेंगे और नगर पालिका की सत्ता किसके हाथ आएगी–इन सवालों को लेकर जहाजपुर में चर्चाएं तेज हो गई हैं। मतदान के बाद अब चुनावी मैदान में भले ही खामोशी नजर आए, लेकिन राजनीतिक गलियारों में हलचल लगातार बढ़ रही है। प्रत्याशी और उनके समर्थक अपने-अपने स्तर पर वार्डवार आंकड़ों का विश्लेषण करने में जुटे हैं। अब असली तस्वीर मतगणना के दिन ही साफ होगी, जब ईवीएम खुलेंगी और जहाजपुर की जनता का जनादेश सामने आएगा।

महर्षि दयानन्द सरस्वती ने उदयपुर की पावन धरा से किया था वेदों की पुनर्स्थापना का शंखनाद: प्रो. धर्मेन्द्र शास्त्री

उदयपुर के पिछौली स्थित आर्य समाज सभागार में त्रिदिवसीय वेद प्रचार कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

जयपुर के आचार्य अवनीश मैत्री के सानिध्य में हुआ ऋग्वेद शतक यज्ञ

स्मार्ट हलचल

उदयपुर शहर के पिछौली स्थित आर्य समाज सभागार में त्रिदिवसीय वेद प्रचार कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ ऋग्वेद शतक यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञ को जयपुर से पधारे सुप्रसिद्ध आचार्य अवनीश मैत्री ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न कराया। इस आध्यात्मिक आयोजन के प्रथम दिन बड़ी संख्या में सनातनी और वेद प्रेमी उपस्थित रहे। संयोजक सत्यप्रिय आर्य के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. धर्मेंद्र शास्त्री ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि उदयपुर की पावन धरा से महर्षि दयानंद सरस्वती ने 'सत्यार्थ प्रकाश' की रचना पूर्ण कर वेदों की पुनर्स्थापना का शंखनाद किया था। उन्होंने याद दिलाया कि उदयपुर का नौलखा महल ही वह ऐतिहासिक स्थान है, जहाँ बैठकर स्वामी जी ने इस कालजयी ग्रंथ का प्रणयन पूरा किया। इसी ग्रंथ को आधार बनाकर आधुनिक भारत में वैदिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हुई और यह विधर्मियों द्वारा चलाए जा रहे धर्मांतरण के दुष्चक्र को रोकने के लिए एक अचूक अस्त्र सिद्ध हुआ। प्रोफेसर शास्त्री ने वैश्विक स्तर पर आर्य समाज के प्रभाव को रेखांकित करते हुए मॉरीशस का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मॉरीशस में लगभग 600 आर्य समाज कार्यरत हैं, जहाँ 'सत्यार्थ प्रकाश' और 'ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका' के माध्यम से वेदों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है वेदों को सनातन धर्म का मूल आधार बताते हुए उन्होंने 'स्तुता मया वरदा वेदमाता' मंत्र की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने मनुष्य को सात अनमोल वरदान दिए हैं– आयु, प्राणशक्ति, उत्तम संतान, पशुधन, यश, धन-संपत्ति और ईश्वर की कृपा। एक धार्मिक मनुष्य ईश्वर की भक्ति से इन्हें प्राप्त कर लौकिक जीवन में सफल होता है। वेदवाणी के अनुसार, जीवन के अंतिम समय (मोक्ष प्राप्ति के वक्त) मनुष्य को इन सात वस्तुओं को पुनः परमात्मा को समर्पित करते हुए मुक्ति का प्रयास करना चाहिए। मुख्य व्याख्यान से पूर्व इंद्रदेव पीयूष ने अपनी सुमधुर आवाज में ईश्वर भक्ति के मनभावन भजन प्रस्तुत कर माहौल को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। भजनों पर तबले की शानदार संगत कलाकार अखिलेश शर्मा ने की। कार्यक्रम के समापन सत्र में आर्य समाज के मंत्री सत्यप्रिय ने दूर-दराज से आए अतिथियों, वक्ताओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। आर्य समाज प्रबंधन ने बताया कि यह त्रिदिवसीय आयोजन प्रतिदिन प्रातः और सायं कालीन सत्रों में पिछौली स्थित सभागार में संचालित रहेगा, जिसका औपचारिक समापन 13 सितंबर 2026 को मध्यान्ह में होगा।

द्वितीय चरण में 77.83 फीसदी मतदान, रायपुर रहा अव्वल

रायपुर में 78.67 और जैतारण में 76.99 प्रतिशत मतदाताओं ने डाले वोट, पांचों निकायों में मतदान प्रक्रिया पूरी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर । नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के द्वितीय चरण में शुक्रवार को नगर पालिका जैतारण एवं रायपुर में वार्ड सदस्यों के निर्वाचन के लिए मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चले मतदान में मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमल राम मीना ने बताया कि दोनों नगर पालिकाओं में कुल 32,806 मतदाताओं में से 24,712 मतदाताओं ने मतदान किया। इस तरह कुल 77.83 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दोनों निकायों में रायपुर का मतदान प्रतिशत सर्वाधिक रहा। नगर पालिका जैतारण में 18,879 मतदाताओं में से 13,756 ने मतदान किया, जिससे यहां 76.99 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं रायपुर में 13,927 में से 10,956 मतदाताओं ने वोट डाले और यहां 78.67 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

14 सितंबर को होगी मतगणना

द्वितीय चरण का मतदान पूरा होने के साथ ही जिले के सभी पांच नगरीय निकायों में मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई है। अब सभी पांचों नगरीय निकायों के मतों की गणना 14 सितंबर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं, मतदान दलों, निर्वाचन अधिकारियों-कर्मचारियों, पुलिस एवं सुरक्षा बलों सहित निर्वाचन कार्य में जुटे सभी कार्मिकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

नेमीचंद मेघवानी की आँखें दो लोगों को देगी नई रोशनी

महिला ने स्वयं पहल कर कराया ससुर का नेत्रदान

मृत्यु के बाद भी रोशनी का दान -भवानीमंडी से 164 वाँ नेत्रदान

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी नेत्रदान रोशनी का दान है और मृत्यु के संवेदनशील क्षणों में भी यह परिवार को गहन आत्मीय संतोष प्रदान करता है। इसी भावना के कारण भवानीमंडी में नेत्रदान अब परिवारों की परम्परा बनता जा रहा है। गुरुवार को नगर के मेघवानी परिवार ने ऐसा ही अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया जब माता चंदा देवी मेघवानी के बाद पिता नेमीचंद मेघवानी का भी नेत्रदान कर समाज के सामने परोपकार की अनूठी मिसाल पेश की गई। भारत विकास परिषद के नेत्रदान प्रभारी एवं शाइन इंडिया फाउंडेशन के नगर संयोजक कमलेश गुप्ता दलाल ने बताया कि गुरुवार रात्रि को वस्त्र व्यवसायी नेमीचंद मेघवानी का निधन होने के पश्चात बहु श्वेता मेघवानी ने अपने पति दीपक मेघवानी से पिता के नेत्रदान की इच्छा व्यक्त की, तथा मौके पर उपस्थित राजेश गुप्ता कानूनगो की सूचना पर शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ कुलवंत गौड ज्योति-रथ से भवानीमंडी के लिए रवाना हुए । उल्लेखनीय है कि जिस समय डॉ. गौड़ को सूचना मिली, वे स्वयं वायरल बुखार से पीड़ित थे, फिर भी मानव सेवा के संकल्प के साथ अपने मित्र मुकेश पांचाल को साथ लेकर वे रात्रि में भवानीमंडी पहुँचे और परिवारजनों की उपस्थिति में रात्रि 11 बजे नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण कर दो दृष्टिहीनों के लिए कॉर्निया प्राप्त किया। नेत्रदान प्रक्रिया में प्रकाश सीए, अरुण गर्ग तथा पौत्र तनिष्क व पुलकित मेघवानी का सहयोग रहा। कमलेश गुप्ता दलाल ने बताया कि 2 वर्ष पहले भी नेमीचंद मेघवानी की पत्नी चंदा देवी मेघवानी का नेत्रदान हो चुका है। नेत्रदान भवानीमंडी के परिवारों में एक परंपरा बनता जा रहा है, नगर के 17 परिवार ऐसे हैं जहां पर एक से अधिक सदस्य का नेत्रदान हुआ है। यही कारण है कि झालावाड़ जिले का भवानीमंडी कस्बा आज पूरे राजस्थान में परोपकार की अनूठी पहचान बना रहा है, जहाँ शोक की घड़ी में भी परिवार स्वयं आगे आकर नेत्रदान के लिए पहल कर रहे हैं। नेत्रदानी नेमीचंद मेघवानी के पुत्र दीपक मेघवानी एवं पुत्रवधू श्वेता मेघवानी ने बताया कि उनके पिता धार्मिक एवं परोपकारी स्वभाव के थे, तथा माता चंदा देवी के नेत्रदान में भी उनकी अहम भूमिका रही थी, ऐसे में अंतिम समय में भी उनकी आंखों से किसी का भला हो जाए यही सोचकर उन्होंने नेत्रदान का निर्णय लिया है।

11 वर्षीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 13 से लटाला में

स्मार्ट हलचल

काछोला 11 सितंबर - क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय लटाला में 70 वी मांडलगढ़ ब्लॉक स्तरीय 11 वर्षीय खेलकूद,जिम्नास्टिक,एथलेटिक्स,साहित्यिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिता 13 सितम्बर रविवार से शुरू होगी।मुख्य तकनीकी सलाहकार अरुण शर्मा ने बताया कि प्राथमिक,उच्च प्राथमिक,सीनियर स्कूल में अध्ययनरत 11 वर्षीय छात्र छात्राएं भाग ले सकेगी।प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यालय 12 सितम्बर शनिवार को टीम एंट्री करा सकेंगे।प्रतियोगिता में कबड्डी,खो खो,जिम्नास्टिक ,एथलेटिक्स,साहित्यिक,सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।प्रतियोगिता को लेकर शिक्षक राजमल रेगर,विमलेश कुमार वैष्णव सहित ग्रामीण उत्साह के साथ प्रतियोगिता के सफल संचालन को लेकर तैयारियों में जुटे हुए है।वही प्रतियोगिता के कबड्डी ,खो खो खेल मैदान सहित आदि को लेकर मुख्य तकनीकी सलाहकार अरुण शर्मा, व सहायक तकनीकी सलाहकार कैलाश चौधरी की देखरेख में बन रहे है। विमलेश वैष्णव ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन 14 सितंबर सोमवार को होगा। क्लासेज टूर्नामेंट वही प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के विद्यालयों में खिलाड़ियों के चयन को लेकर क्लासेज टूर्नामेंट आयोजित कर खिलाड़ी खेल में हिस्सा ले रहे है।वही धामनिया में वरिष्ठ11 शारीरिक शिक्षक बाबू लाल खटीक, जिम्नास्टिक कोच कैलाश चौधरी चयनित खिलाड़ियों को अभ्यास करा रहे है।वही स्कूल के पंकज त्रिवेदी,दुर्गा देवी बलाई छात्र व छात्राओं की अलग अलग टीम बनाकर तैयारी में जुटे हुए है।

सामाजिक सरोकार ,मानव दया अभियान

राजस्थान जन मंच ने झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले 90 परिवारों को आटे के कट्टे वितरित किए

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा भादवी अमावस्या के पावन अवसर पर राजस्थान जनमंच द्वारा अंतिम छोर पर खड़े निर्धन गरीब झुग्गी झोपड़ी में निवासरत परिवारों को 5 किलो आटे के कट्टे 90 परिवारों की महिला मुखिया को राजस्थान जन मंच अध्यक्ष भाजपा नेता कैलाश सोनी द्वारा काशीपुरी रोड पर निशुल्क वितरित किए विदित रहे कोंपिछले 5 वर्षों से लगातार प्रत्येक महीने की अमावस को इस दौरान भीलवाड़ा इलेक्ट्रिक डीलर्स एसोसिएशन के संरक्षक रामपाल सोनी, जयनारायण जोशी , हार्दिक सोनी ,रोहित भरावा ,भानु सालवी ,शिवांश भट्ट, द्वारका नुवाल ,कालू धोबी ,मोनू प्रजापत ,किशन गाडरी ,विनोद जाट ,लोकेश खारोल , साथ थे

पीथास में बिजली गुल होते ही पत्थरबाजी, दहशत में ग्रामीण

एक ही रात में दो मकानों को बनाया निशाना, एक मकान पर महीनेभर में दूसरी बार हमला

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / जिले के बागोर थाना क्षेत्र के पीथास गांव में बिजली गुल होते ही अज्ञात लोगों द्वारा पत्थरबाजी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। गुरुवार रात करीब 9:40 बजे गोपाल चौबे के मकान के बाहर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए। खास बात यह कि करीब एक माह पहले भी इसी मकान को निशाना बनाया गया था।

इसके बाद शुक्रवार रात करीब 12:30 बजे हिम्मत सुवालका के मकान की छत पर भी पत्थर फेंके गए। एक ही रात में दो मकानों को निशाना बनाए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। सूचना पर बागोर पुलिस रात करीब 2 बजे पीथास पहुंची और दोनों घटनास्थलों का मौका मुआयना कर ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि बिजली गुल होते ही बार-बार पत्थरबाजी आखिर कौन कर रहा है? उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और गांव में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

पुलकसागर से भागवत की मुलाकात पर टिकी राजनीतिक नजरें!

धर्मनगरी में संत-संघ प्रमुख संवाद, आध्यात्मिक मुलाकात के सियासी मायने तलाशे जा रहे

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / धर्मनगरी भीलवाड़ा में 14 सितंबर को होने जा आचार्य पुलकसागर महाराज और आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की मुलाकात ने धार्मिक हलकों के साथ राजनीतिक गलियारों में भी हलचल बढ़ा दी है। संघ प्रमुख भागवत सोमवार सुबह 11 बजे शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल पहुंचकर आचार्य पुलकसागर से मुलाकात करेंगे। करीब एक घंटे की प्रस्तावित धर्म-चर्चा में धार्मिक, सामाजिक और समसामयिक विषयों पर मंथन होगा। हालांकि मुलाकात का स्वरूप धार्मिक एवं सामाजिक संवाद का है, लेकिन भीलवाड़ा में इसके राजनीतिक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। आचार्य पुलकसागर अपनी ओजस्वी वाणी और सामाजिक सरोकारों पर मुखर विचारों के लिए जाने जाते हैं, जबकि भागवत संघ के शीर्ष नेतृत्व का चेहरा हैं। ऐसे में दोनों की मुलाकात को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म होना स्वाभाविक है। खासकर नगर निकाय चुनाव के माहौल में यह मुलाकात राजनीतिक रूप से और महत्वपूर्ण नजर आ रही है। क्या यह सिर्फ संत और संघ प्रमुख के बीच धर्म-संवाद तक सीमित रहेगी या इसके संदेश का असर समाज और राजनीति तक भी पहुंचेगा? इस पर राजनीतिक नजरें टिकी हैं। संघ प्रमुख के आगमन को लेकर चातुर्मास स्थल पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अब सबकी निगाहें 14 सितंबर की उस मुलाकात पर हैं, जहां धर्म, समाज और राष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर होने वाला संवाद भीलवाड़ा के राजनीतिक माहौल में क्या संदेश छोड़ता है, यह देखने वाली बात होगी।

राजस्थान हाई कोर्ट मैं रक्तदान शिविर

स्मार्ट हलचल

जयपुर। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद एवं विधायक रहे स्वर्गीय सतीश चंद्र अग्रवाल की 29वीं पुण्यतिथि पर राजस्थान हाईकोर्ट परिसर स्थित सतीश चंद्र अग्रवाल सभागार में सतीश चंद्र अग्रवाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर के संयोजक अधिवक्ता शशांक अग्रवाल ने बताया कि शिविर में अधिवक्ताओं, न्यायिक क्षेत्र से जुड़े लोगों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला अधिवक्ताओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। शिविर में कुल 75 यूनिट रक्तदान हुआ। उन्होंने बताया कि ये ब्लड डोनेशन मैं प्राप्त ब्लड को अधिवक्ताओं की आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध होगा । इस अवसर पर राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस अरुण मोंगा, जस्टिस महेन्द्र गोयल, जस्टिस अनुप कुमार ढंड, जस्टिस विनोद कुमार भारवानी, जस्टिस शुभा मेहता, जस्टिस आशुतोष, जस्टिस मनीष शर्मा, जस्टिस आनंद शर्मा, संदीप तनेजा, जस्टिस रवि चिरानिया, जस्टिस अनुरूप सिंघी एवं जस्टिस संगीता शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। ट्रस्ट की ओर से रक्तदाताओं का सम्मान किया गया। आयोजकों ने बताया कि स्वर्गीय सतीश चंद्र अग्रवाल की स्मृति में समाजसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं।

मातृशक्ति के संस्कारों से ही मजबूत बनता है समाज : भगवतदान

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक बाड़मेर में 200 माताओं की उपस्थिति में मातृ सम्मेलन संपन्न

स्मार्ट हलचल

बाड़मेर। आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़मेर में मातृ सम्मेलन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में मातृशक्ति की भूमिका, बच्चों के संस्कार और वर्तमान समय में परिवार की जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती वीणा पनपलिया ने की। मुख्य अतिथि प्रोफेसर श्रीमती विमला चौधरी तथा मुख्य वक्ता विद्या भारती जोधपुर प्रांत के निरीक्षक भगवतदान जी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, मां सरस्वती एवं ओम के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात मां सरस्वती की स्तुति प्रस्तुत की गई। अतिथियों का परिचय विद्यालय की आचार्या संगीता जोशी ने करवाया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर विमला चौधरी ने वर्तमान समय की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचना आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चियों से अपनी बात खुलकर, आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ रखने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता भगवतदान जी ने कहा कि विद्या मंदिर केवल विद्यार्थियों को किताबी शिक्षा देने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि उनका प्रमुख उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति एवं श्रेष्ठ संस्कारों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि जिन गौरवशाली परंपराओं के कारण भारत की विश्व में विशेष पहचान रही है, उन परंपराओं से नई पीढ़ी को जोड़ना आवश्यक है। हमारे महापुरुषों के आदर्शों को भैया-बहनों के जीवन में उतारना ही विद्या मंदिरों का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती वीणा पनपलिया ने कहा कि मां को समाज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और भारत भूमि वीर सपूतों की जननी रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम, श्रीकृष्ण, छत्रपति शिवाजी और स्वामी विवेकानंद जैसे महान व्यक्तित्वों के निर्माण में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यक्रम का मंच संचालन कमला राजपुरोहित ने किया, जबकि मंजू राजपुरोहित ने आभार व्यक्त किया। शांति मंत्र एवं प्रसाद वितरण के साथ सम्मेलन का समापन हुआ। इस अवसर पर करीब 200 माताओं के साथ विद्यालय के निदेशक सीताराम खत्री, प्रधानाचार्य चेतनानंद बोहरा, लंगेरा विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश सोनी, विद्यालय स्टाफ तथा अनेक अभिभावक उपस्थित रहे।

महुवा में पर्युषण, संवत्सरी, अनंत चतुर्दशी और क्षमावाणी पर्व पर मांस-मीट की दुकानें बंद रहेंगी SDM ने जारी किया आदेश

स्मार्ट हलचल

महुवा / उपखंड अधिकारी प्रेम राज मीणा द्वारा जैन समाज के पावन पर्वों को देखते हुए मीट की दुकान बंद करने के आदेश जारी किया गया है।1 विमल चंद जैन द्वारा उपखंड मजिस्ट्रेट महुवा को प्रार्थना पत्र देकर मांग की गई थी कि पर्युषण पर्व संवत्सरी अनंत चतुर्दशी और क्षमावाणी पर्व के अवसर पर मांस मीट मछली की दुकानें और बूचड़खाने बंद रखे जाएं। इस पर कार्यालय उप जिला मजिस्ट्रेट एवं उपखंड अधिकारी महवा ने आदेश जारी कर तहसीलदार महुवा, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका महुवा, पुलिस उपाधीक्षक वृत्त महुवा, थानाधिकारी महुवा, सलेमपुर, बालाहेड़ी को निर्देशित किया है कि राजस्थान सरकार स्वायत्त शासन विभाग जयपुर के आदेश की पालना में 15 सितम्बर 2026 मंगलवार पर्युषण पर्व एवं संवत्सरी, 25 सितम्बर 2026 शुक्रवार अनंत चतुर्दशी और 27 सितम्बर 2026 रविवार क्षमावाणी पर्व पर महुवा, बालाहेडी, सलेमपुर थाना क्षेत्र के समस्त बूचड़खाने और मांस मछली की दुकानें बंद रखने के आदेश जारी किए।

एक बुरी आदत जीवन को वैसे ही बर्बाद करती है जैसे एक गंदी मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है: प्रतिभा श्रीजी

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। सेन्थी स्थित शांति भवन मे पर्यूषण पर्व के चतुर्थ दिवस पर सर्वप्रथम श्री प्रेरणा श्री जी म. सा. ने अन्त:गढ़ सूत्र का वाचन किया। प्रवचन मे जेन सिद्धात्ताचार्य श्री प्रतिभा श्री जी म. सा. ने फरमाया कि एक बुरी आदत जीवन को वैसे ही बर्बाद करती है जैसे एक गंदी मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है। हमारी आदते ही हमारा चरित्र बनाती है। किसी आदत को जीवन मे डालना खेत मे बीज बोने के समान है। एक बुरी आदत हमारे आसपास के वातावरण को खराब करती है। हम सुधरेगे युग सुधरेगा। बुरी आदतो को सुधारने के लिए त्याग परित्याग व संयम की आवश्यकता है। उन्होंने बताया नशा करने वाले दो तरह के होते है एक जो गम मे नशा करते है दूसरे वो जो खुशी मे नशा करते है। नशा माडर्न लाइफ का एक फैशन बनता जा रहा है। दुनिया मे पानी मे डूबकर कम लोग मरते है किन्तु शराब के नशे मे डूबकर अधिक व्यक्ति डूबते है। जिस देश मे कभी दूध की नदियां बहती थी एवं विश्वगुरु के रूप मे विख्यात था वहाँ की दुर्दशा आज विचारणीय हो गई है। दुर्भाग्य है कि कुछ गांवो मे आज चाय व रोटी के ढाबे नही है परन्तु शराबखाना अवश्य मिल जाएंगे। आज साधु साध्वी जी विहार करते हुए गांव मे जाते है वहाँ बोर्ड पर लिखा रहता है भावों मे भारी कमी। अर्थात् यह नशीले पदार्थो की ओर अग्रसर करने का एक तरीका है। उन्होंने कहा आज समाज मे हमे यह विचार करना होगा कि आज की पीढ़ी नशा युक्त क्यों हो रही है। उसका महज कारण धर्म को न जानना व न मानना है। अत: धर्म को जानो व तद्नुसार क्रिया करो। दूसरी ओर परम पूज्या महासाध्वी जैन सिद्धान्ताचार्य तपस्वी रत्ना श्री प्रतिभा श्री जी महाराज साहब आदि ठाणा के सानिध्य में प्रयुषण पर्व के अवसर पर सादी ग्राम से नीमड़ी वाले सगस जी महाराज एवम श्री नाकोड़ा भैरव धाम के पुजारी, तपस्वी रत्न श्री धनराज जी शर्मा के 39 दिवसीय साधना के तहत शुक्रवार को 9 उपवास के पछखान हुए। इस पर श्रीसंघ सेन्थी द्वारा स्वागत अभिनन्दन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति रही।

कानपुर में 40 साल से फरार तीन लड़कियों अपहर्ता जूही में गिरफ्तार, मामले से जुड़े अब तक तीन की मौत

स्मार्ट हलचल

सुनील बाजपेई कानपुर। यहां तीन किशोरियों का अपहरण करने वाले अपराधी को 40 साल बाद गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया गया। कठोर परिश्रम पूर्ण और पूर्ण निष्ठा के साथ की गई पुलिस यह कार्रवाई बताती है कि अपराध की जांच में केवल वर्दी ही नहीं, बल्कि सूझबूझ, धैर्य और जमीनी स्तर पर सुराग जुटाने की क्षमता भी अहम भूमिका निभाती है।जिसके फल स्वरुप अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, पुलिस अगर सुराग तलाशने में पूरी मेहनत और सूझबूझ के साथ जुट जाए तो कानून की पकड़ से उसका बचना मुश्किल हो जाता है। चर्चा का विषय बनी इस घटना का संबंध जुही थाना क्षेत्र से है ,जहां 1984 में प्रदीप कुमार नामक युवक के खिलाफ तीन किशोरियों को ले जाने के आरोप में अपहरण और विवाह के लिए विवश करने में मुकदमा हुआ था। लोअर कोर्ट ने प्रदीप को दोषी मानते हुए सजा सुनाई थी। जिसके बाद उसने वर्ष 1987 हाई कोर्ट में की गई अपील से राहत का फायदा उठाकर फरार हो गया था। हाई कोर्ट ने संज्ञान में लेकर पुलिस आयुक्त से सात अगस्त को जवाब दाखिल करने को कहा था। जिसके बाद ही जूही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर केके पटेल की अगुवाई में टीम गठित कर फरार आरोपी प्रदीप की तलाश शुरू हुई। इसके लिए उसके सारे रिश्तेदारों, जमानत दारों, दोस्त, यारों उसके जन्म स्थान से लेकर उन सभी स्थानों तक भी जहां-जहां वह किराएदार आदि के रूप में रहता रहा। इसके लिए जेल जाकर लगभग 40 साल पुराना रिकॉर्ड भी देखा गया। लेकिन सफलता तब भी नहीं मिली। इस बीच गहन छानबीन से यह जरूर पता चल गया कि अपहरण करके ले जाई गई लगभग 39 साल पहले कमसिन भी रही लड़कियों में और जमानत लेने वालों में किसकी किसकी मौत हो चुकी है। इसके बाद भी योगी सरकार की मंशा के अनुरूप पीड़ितों की सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली वाली कठोर परिश्रमी, तेज तर्रार और जुझारू मिलिट्री कैंप चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर विपिन कुमार, भूपेश राठी, नितिन दुबे और कांस्टेबल अंकित कुमार की इंस्पेक्टर के के पटेल के नेतृत्व वाली टीम ने हार नहीं मानी और चौकी प्रभारी विपिन कुमार ने बड़े धैय के साथ दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपने कठोर परिश्रम की दिशा चुनाव आयोग मतलब मतदाता पहचान पत्र के माध्यम से भी आरोपी का पता लगाने की तरफ मोड़ दी। इसी दौरान कठोर परिश्रम के साथ लगातार जुटे चौकी प्रभारी विपिन यादव की टीम को किसी तरह से आरोपी प्रदीप का वोटर आईडी हासिल हो गया। बस यही से सफलता मिलने का अंतिम चरण आ गया। मतलब जब चुनाव आयोग की वेबसाइट खंगाली गई तो महत्वपूर्ण सफलता के रूप में आरोपी प्रदीप कुमार का एपिक नंबर मिल गया। और जब एपिक नंबर मिल गया तो फिर परिवार का ब्यौरा खंगाला गया। इसी क्रम बीएलओ से संपर्क किया तो एक रिश्तेदार के बारे में जानकारी मिली और जब उस रिश्तेदार से पूछताछ की गई तो लगभग 2 माह से चल रही खोजबीन का समापन करते हुए कर्तव्य के प्रति निष्ठा की परीक्षा का प्रथम श्रेणी का परिणाम लगभग 40 साल से फरार आरोपी प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी के रूप में सामने आ गया।

सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादी को किया गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन तीनों उग्रवादियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। तेंगनौपाल जिले के खारो खुल्लेन में एक तलाशी अभियान के दौरान यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फंट के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान थौबल जिले के हेइरोक निवासी एन सुरेश सिंह (26) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक असम राइफल्स की सूचना के आधार पर इंफाल पूर्वी जिले के खाबेसोई से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। उसकी पहचान एम सनथोई मेइतेई के रूप में हुई है और वह संगठन के नए सदस्यों की भर्ती करने में शामिल था। इसके अलावा, बिष्णुपुर जिले के कुंबी थाना क्षेत्र के इथाई कुंबी से कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 43 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान की नाम जानकारी नहीं मिल सकी।

निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत, 11 घायल

वेल्लोर (एजेंसी)। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और 11 घायल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि 11 घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटपाडी के निकट मंडी कृष्णापुरम में 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया' के निर्माणाधीन भवन की छत का हिस्सा गुरुवार को उस समय ढह गया, जब मजदूर छत पर कंक्रीट डालने का काम कर रहे थे। अधिकारी ने तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की अरक्कोणम टीम ने जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर निर्माण स्थल पर फंसे मजदूरों को बचाने का अभियान चलाया। वेल्लोर की जिलाधिकारी पी एस लीला एलेक्स ने कहा कि कम से कम आठ मजदूरों की हालत स्थिर है।

पंजाब के स्कूलों की कमियां दिखाने पर केजरीवाल ने सीजेपी को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों को आ रही समस्याओं को सामने लाने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धन्यवाद किया है। उन्होंने इन मुद्दों को उठाने के लिए सीजेपी की सराहना कर आश्वासन दिया कि पार्टी राज्य सरकार के साथ मिलकर इन चिंताओं का तुरंत समाधान करने की दिशा में कदम उठाएगी। सीजेपी के सौरव दास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब का दौरा किया, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के बाद दास ने बताया कि लुधियाना में स्कूल ऑफ एमिनेंस का रखरखाव अच्छा था, लेकिन कुछ समस्याएं भी देखी गईं। इन समस्याओं से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को अवगत कराया गया, जिन्होंने तुरंत मिलने और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। दास ने स्कूल ऑफ एमिनेंस में स्विमिंग पूल, रैंप, एआई लैब और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं की तारीफ की, और कहा कि कई मामलों में ये निजी स्कूलों से भी बेहतर हैं। पंजाब में लगभग 19,000 सरकारी स्कूलों में से, सरकार ने 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस बनाने की घोषणा की है, जिसमें से कुछ ही का उद्घाटन हो पाया है। हालांकि, सीजेपी की टीम ने 1936 में बने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जंडियाली का भी दौरा किया, जहाँ मरम्मत के बावजूद पुराना ढांचा अभी भी बना हुआ है। दास ने उम्मीद जाहिर की कि इन बच्चों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पंजाब सरकार इस पर ध्यान देगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में ब्रिक्स में भारत की धमक : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 सालों में भारत ब्रिक्स समूह का अहम और प्रभावशाली सदस्य बनकर उभरा है। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में इस समूह के महत्व पर जोर दिया, खासकर इसतरह के समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष जारी हैं। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने इस पर गर्व व्यक्त किया कि भारत इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और संगठन में देश की स्थिति में आए उल्लेखनीय बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारत को ब्रिक्स के भीतर एक कमजोर और कम महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में देखा जाता था, जिसकी निरंतर भागीदारी पर भी सवाल उठते थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में, भारत ने अब खुद को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जो अन्य ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स समूह दुनिया की करीब आधी आबादी और वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे मौजूदा चुनौतियों के बीच इसकी भूमिका और भी अहम होती है।

पीएम आवास योजना में लापरवाही पर कार्रवाई

दो कार्मिकों पर 1000 रुपये शास्ति, तीन को आरोप पत्र

स्मार्ट हलचल

शाहबाद- बारां/भरत देवड़वाल। जिला परिषद बारां के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा द्वारा शुक्रवार को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं पीएम-जनमन की प्रगति न्यूनतम पाए जाने को गंभीरता से लिया गया। जानकारी के अनुसार कम प्रगति एवं आवासों की समय पर मस्टररोल जारी नहीं करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध पूर्व में समीक्षा बैठकों, दूरभाष निर्देशों एवं व्यक्तिगत समझाइश के बाद भी मस्टररोल जारी नहीं करने से आवास कार्य पूर्ण नहीं हो सके, जिससे ब्लॉक एवं जिला स्तरीय प्रगति प्रभावित हुई। इसे कार्य के प्रति लापरवाही मानते हुए रामबिलास मीना विकास अधिकारी पंचायत समिति शाहबाद द्वारा लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर कार्रवाई की गई है -

शास्ति आरोपित:

1. दुर्गेश सहरिया, कनिष्ठ सहायक, ग्राम पंचायत देवरी/बीलखेड़ा माल

उक्त दोनों कार्मिकों पर समय पर मस्टररोल जारी नहीं करने के कारण डीबीटी-जी राशि योजना अंतर्गत 1000-1000 रुपये की शास्ति आरोपित की गई है।

आरोप पत्र जारी कर 3 दिवस में स्पष्टीकरण चाहा गया:

1. धीरज कुमार , कनिष्ठ सहायक, ग्राम पंचायत बोयल, घोघट सहायक
2. राजेश सहरिया, कनिष्ठ सहायक, ग्राम पंचायत मझारी/सूखारा
3. दुर्गेश सहरिया, कनिष्ठ सहायक, ग्राम पंचायत देवरी/बीलखेड़ा माल

मूर्ति विसर्जन के दौरान नदी में डूबा युवक, छह घंटे बाद भी सुराग नहीं

गहरे पानी में उतरते ही तेज बहाव में बहा मनीष; एसडीएम और राज्यमंत्री ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू का लिया जायजा

खरवरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव के पास शुक्रवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान ससुर खदेरी नदी में एक युवक तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। छह घंटे से अधिक समय तक पुलिस, फायर ब्रिगेड और स्थानीय गोताखोरों की ओर से तलाश किए जाने के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं लग सका। नदी के तेज बहाव और गहराई के कारण रेस्क्यू अभियान में दिक्कतें आईं। खबर लिखे जाने तक युवक की तलाश जारी थी। बैरी गांव निवासी मनीष कुमार (35) पुत्र राधेश्याम ग्रामीणों के साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर स्थापित मूर्ति का विसर्जन करने शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली से दरियापुर स्थित ससुर खदेरी नदी पहुंचे थे। ग्रामीणों के मुताबिक, करीब 11:45 बजे मूर्ति विसर्जन के दौरान मनीष गहरे पानी में उतर गया। इसी दौरान तेज बहाव की चपेट में आने से वह नदी में बह गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पत्नी मंजू देवी, बेटी महिमा (15), प्रिंस (11) और आनंद (10) रोते-बिलखते नदी तट पर पहुंच गए। सूचना पर खरवरेरू पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में युवक की तलाश शुरू कराई गई। सूचना पर खागा एसडीएम अश्वनी पांडेय भी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान का जायजा लिया। शाम करीब पांच बजे राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक कृष्णा पासवान भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्थानीय गोताखोर राममिलन, शिवदत्त, ओम प्रकाश और फक्कड़ समेत अन्य लोगों ने नदी में करीब 100 मीटर से अधिक क्षेत्र में जाल डालकर तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। छह घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी युवक का पता नहीं चलने से परिजन और ग्रामीण परेशान रहे। नदी के तेज बहाव और गहराई के कारण तलाश अभियान में मुश्किलें बनी रहीं। थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि रेस्क्यू टीम आ रही है आने पर शव को ढूंढने का कार्य किया जाएगा

ऊकरूंद में बंदरों का आतंक, ग्रामीणों में दहशत!

बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे बने बंदरों के हमलों का शिकार, वर्षों पुरानी समस्या पर प्रशासन बेखबर

स्मार्ट हलचल

मंडावर। उपखंड मुख्यालय के समीप स्थित ऊकरूंद गांव में बंदरों के बढ़ते आतंक ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। गांव की गलियों से लेकर घरों की छतों तक बंदरों के झुंड खुलेआम घूमते नजर आते हैं। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों को अपने ही घर और मोहल्ले में निकलने से पहले सतर्क रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बंदर आए दिन बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। अचानक सामने आने वाले बंदरों के कारण कई बार लोग घबराकर गिर जाते हैं और चोटिल हो जाते हैं। बच्चों के बाहर खेलने तथा बुजुर्गों के अकेले आने-जाने पर भी खतरा बना हुआ है।

वर्षों से बनी हुई है समस्या, लेकिन समाधान आज तक नहीं

ग्रामीणों के मुताबिक ऊकरूंद में बंदरों की समस्या कोई नई नहीं है। विगत कई वर्षों से बंदरों का आतंक लगातार बना हुआ है, लेकिन इसके बावजूद संबंधित जिम्मेदार विभागों की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों और लगातार बढ़ती परेशानी के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता दिखाई नहीं दे रही। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि समय रहते बंदरों को नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ी घटना हो सकती है।

घरों में घुसकर सामान तक पहुंचा रहे नुकसान

ग्रामीणों के अनुसार बंदर घरों की छतों पर पहुंचकर खाद्य सामग्री और अन्य सामान उठा ले जाते हैं। कई बार घरों में घुसकर सामान को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं भी सामने आती हैं। छतों पर रखे सामान को गिराने तथा विद्युत तारों के आसपास बंदरों के घूमने से भी खतरा बना हुआ है।

आखिर प्रशासन की बंद आंखें कब खुलेंगी?

ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि आखिर प्रशासन की बंद आंखें कब खुलेंगी? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करेंगे? ग्रामीणों का कहना है कि समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है और अब केवल आश्वासन नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई की जरूरत है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि ऊकरूंद गांव में बंदर पकड़ने का अभियान चलाया जाए और बंदरों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को भय और परेशानी से राहत मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में ग्रामीण प्रशासन के समक्ष सामूहिक रूप से अपनी आवाज उठाने को मजबूर होंगे। अब सवाल यही है-ऊकरूंद के ग्रामीणों को बंदरों के आतंक से कब मिलेगी राहत और जिम्मेदार विभाग कब उठाएंगे ठोस कदम?

मंगला आरती से उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, मंगलपाठ में बरसा भक्ति का आनंद

नारायणी जन्म से विवाह तक के प्रसंगों पर गूंजे भजन, दादीजी के मनमोहक श्रृंगार ने मोहा भक्तों का मन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। अजमेर रोड स्थित श्रीमंदिर दादी धाम में चल रहे भाद्रपद अमावस्या महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को मंगला आरती के साथ श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। प्रातः 5.15 बजे मंगला आरती के समय से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दादीजी के दरबार में पहुंचे और पूजा-अर्चना कर धोक लगाई। दादी परिवार न्यास के महामंत्री केदार गर्ग ने बताया कि भाद्रपद अमावस्या दादी भक्तों के लिए विशेष पूजा-अर्चना का पावन दिवस है। इस अवसर पर गंगा गर्ग एवं शशि गोयल ने संगीतमय मंगलपाठ की प्रस्तुति दी। गणेश वंदना से शुरू हुए मंगलपाठ में पितर स्तुति के साथ दादीजी, बालाजी एवं शिवजी की आराधना के भजन प्रस्तुत किए गए। मंगलपाठ में नारायणी जन्म के प्रसंग पर बधाई बांटी गई। नारायणी के पाठशाला गमन पर पाठ्य सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई। इसके बाद वर की तलाश, बान पूजन, विवाह एवं जयमाला सहित विभिन्न प्रसंगों पर भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजनों पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए। इस अवसर पर दादीजी का विशेष श्रृंगार किया गया। श्रृंगार संयोजक सुशील गर्ग ने चांदी के सिंहासन पर विराजमान दादीजी को मकराकृति कुंडल, शीशफूल, माणक-मोती व हीरे जड़ित मुकुट, तुस्सीहार एवं राणी हार धारण करवाया। कलकत्ता जड़ाव की दोहरी पोशाक, रंग-बिरंगी चूड़ी-पाटले, माथे का टीका एवं बिंदी से सुसज्जित दादीजी का स्वरूप मनमोहक नजर आया। महोत्सव को लेकर पूरे श्रीमंदिर को रंग-बिरंगे पुष्पों, कलियों एवं विद्युत सजावट से सजाया गया। मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने झूले और चकरी का आनंद भी लिया। दादी परिवार न्यास के वरिष्ठ उपाध्यक्ष माणक डाणी, कोषाध्यक्ष गणेशप्रसाद बुधिया, रमेश सिंघल एवं बद्रीप्रसाद गर्ग ने अतिथियों का दादीजी का उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया। इस दौरान रतन गर्ग, अवधेश गर्ग, राजेश, सुदेश, सुशीला गर्ग, मेघा, तन्मय, संजय अग्रवाल, वीणा अग्रवाल, प्रतीक, श्रेया, मोनू, ज्योति, प्राची, उषा जिंदल, पुष्पा जिंदल, सरोज, रेखा जिंदल, कमल जिंदल, आरती जिंदल, जमना डिडवानिया, राधेश्याम डाणी, शकुंतला डाणी, अंतिमा गर्ग सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

SET-2026 : 1.77 लाख से अधिक अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 429 केंद्रों पर होगी OMR आधारित परीक्षा

सेट-2026 : 1.78 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 429 केंद्रों पर होगी परीक्षा

10 बजे बाद केंद्र में प्रवेश नहीं, मोबाइल समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित

स्मार्ट हलचल

कोटा। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा (स्श्वञ्ज)-2026 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए कोटा विश्वविद्यालय ने परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष 1,77,901 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के लिए राज्य के सात संभागीय मुख्यालयों में कुल 429 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा 13 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक ऑफलाइन ओएमआर आधारित प्रणाली से आयोजित होगी। राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्श्वञ्ज-2026 का आयोजन कोटा विश्वविद्यालय द्वारा कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। परीक्षा का आयोजन यूजीसी-नेट के नवीनतम मानकों के अनुरूप किया जाएगा। परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए

कोटा विश्वविद्यालय में केंद्रीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने बताया कि परीक्षा की सुरक्षा, गोपनीयता और संवेदनशीलता से जुड़े सभी मानकों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने और परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने की अपील की।

प्रवेश के लिए ये दस्तावेज जरूरी

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश-पत्र की रंगीन प्रति, मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र के रूप में केवल आधार कार्ड तथा ऑनलाइन आवेदन के समय अपलोड की गई फोटो से मेल खाती एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो साथ लानी होगी। अभ्यर्थियों की रिपोर्टिंग सुबह 9 से 10 बजे तक होगी। सुबह 10 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। समन्वयक सेट -2026 प्रो.धनश्याम शर्मा ने बताया कि प्रवेश-पत्र पर अंकित परीक्षा केंद्र और रोल नंबर के कोड को केवल सांकेतिक न मानते हुए परीक्षा केंद्र की वास्तविक लोकेशन पहले से सुनिश्चित कर लें। इसके लिए परीक्षा से एक दिन पूर्व केंद्र पर जाकर स्थान की जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी गई है, ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मोबाइल, स्मार्ट वॉच और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित

परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, पुस्तक, नोट्स आदि ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अभ्यर्थियों को आधी आस्तीन के हल्के रंग के कपड़े तथा कम हील वाली चप्पल या सैंडल पहनकर आने की सलाह दी गई है। धार्मिक, पारंपरिक अथवा सांस्कृतिक पोशाक में आने वाले अभ्यर्थियों की सुरक्षा जांच के दौरान विशेष रूप से तलाशी ली जाएगी। अभ्यर्थी अपने साथ केवल काले या नीले बॉल पेन लेकर आएं। ओएमआर शीट पर व्हाइटनर, ब्लेड अथवा किसी अन्य वस्तु का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा।

प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ जांचना जरूरी

परीक्षा के दौरान प्रश्न-पुस्तिका का वितरण लगभग सुबह 10:55 से 11 बजे के बीच किया जाएगा। अभ्यर्थियों को प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त होते ही उसके सभी पृष्ठों की जांच करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई पृष्ठ फटा, गायब अथवा पुनर्मुद्रित न हो। ओएमआर उत्तर-पत्र पर रोल नंबर, विषय, प्रश्न-पुस्तिका का कोड तथा अन्य आवश्यक विवरण अत्यंत सावधानी से अंकित करने होंगे। अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए जाने वाले अभ्यर्थियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों से परीक्षा से संबंधित नवीनतम सूचनाओं के लिए कोटा विश्वविद्यालय की वेबसाइट (httpN//www.uok.ac.in) का नियमित अवलोकन करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

मदद से पीछे हटे अमेरिका जैसे देश, ट्रंप के फैसले से राहत कार्यों को लगा बड़ा झटका

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अगस्त के अंत में ग्लेशियर टूटने से आई सदी की सबसे भीषण बाढ़ और भूस्खलन के दो हफ्ते बाद भी राहत कार्यों में भारी लाचारी देखने को मिल रही है। नेपाल और पड़ोसी तिब्बत में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 5,000 लोग अब भी लापता हैं। इस मानवीय संकट के बीच अमेरिकी विदेशी सहायता एजेंसी यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) का पूरी तरह गायब रहना राहत और बचाव कार्यों पर भारी पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल की शुरुआत में यूएसएआईडी को बंद कर दिया था सीधा असर अब जमीन पर दिख रहा है। नेपाल में अमेरिकी फंड से चलने वाले कई गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को अपने कार्यक्रम बंद करने पड़े थे, जिससे अचानक आई इस आपदा के समय वे त्वरित राहत सामग्री और संसाधन उपलब्ध कराने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। भारत ने बुधवार को विनाशकारी बाढ़ की मार झेल रहे नेपाल के लिए मानवीय सहायता की 7वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना के विशेष सी-17 परिवहन विमान के जरिये 35 टन सामान और उपकरण भेजे गए हैं। भारत लगातार बाढ़ प्रभावित नेपाल को राहत सामग्री और आवश्यक दवाएं भेज रहा है। 2015 का भूकंप : भूकंप के 48 घंटे के भीतर अमेरिका ने 128 सदस्यीय विशेषज्ञ आपदा प्रतिक्रिया दल भेजा था और तुरंत 1 करोड़ डॉलर की मानवीय मदद का ऐलान किया था।

ईरान युद्ध का असर: ट्रंप बोले- चुनाव के बाद ही गिरेंगे तेल के दाम; रिपब्लिकन खेमे की क्यों बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान युद्ध की वजह से बढ़े तेल के दाम जल्द नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ही शुरू हो सकती है। बुधवार को तेल की कीमतों में 3 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। जुलाई के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध के बीच दोनों तरफ से हमले तेज हुए हैं। ट्रंप ने कहा, चुनाव के तुरंत बाद तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि इसमें मध्यावधि चुनाव से थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है। ट्रंप यह बात डलास जाने से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान कह रहे थे। वह वहां मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में जाने वाले थे।

फिलहाल शामिल होने का फैसला टाल सकता है बांग्लादेश, रणनीतिक शर्तों पर अटकी बात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने का दरवाजा खुला रखा है। हालांकि सैन्य शर्तों और जिम्मेदारियों का पूरा खाका सामने आने तक वह अंतिम फैसला टालने के मूड में दिखाई दे रहा है। इसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला बाकी सदस्यों के खिलाफ भी हमला माना जाएगा। बांग्लादेशी रणनीतिक हलकों में सवाल है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में ढाका की सैन्य प्रतिबद्धता किस सीमा तक होगी। रिटायर्ड मेजर जनरल फजले इलाही अकबर ने अखबार प्रोथोम आलो में कहा कि सदस्यता पर फैसला लेने से पहले समझौते की हर शर्त और धारा की गहन जांच होनी चाहिए। साथ ही संसद, राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों से व्यापक मशविरा होना चाहिए। विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद ने कहा कि ढाका स्थिति का आकलन कर रहा है और किसी भी फैसले में राष्ट्रीय हित प्राथमिकता होगी। विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने पहले कोई जोखिम न दिखने की बात कही थी। विदेश मंत्री खलीलुर रहमान संसद में कह चुके हैं कि अगर मौजूदा सदस्य बांग्लादेश को शामिल करना चाहें तो ढाका प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करेगा। जहां एक तरफ इसके समर्थक इसे सैन्य क्षमता मजबूत करने का अवसर मानते हैं। वहीं पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर ने चेताया है कि इस गठबंधन में शामिल होना बांग्लादेश की पांच दशक पुरानी संतुलित और गैर-गुटीय विदेश नीति में बदलाव होगा। सबसे संवेदनशील पहलू पाकिस्तान है। सदस्यता लेना सीधे द्विपक्षीय सैन्य गठबंधन में शामिल होना नहीं होगा, लेकिन दोनों देशों की सेनाओं और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के बीच सहयोग बढ़ सकता है। इससे ढाका की विदेश नीति पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

अमेरिका में भारतीय दंपती की दरियादिली: एआई को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज को दिए 191 करोड़, आंध्र से है कनेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक दंपती ने टेक्सास में अपनी पुरानी यूनिवर्सिटी अल्मा मेटर को 20 मिलियन डॉलर का दान दिया है। इससे संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड एनालिटिक्स की पढ़ाई को बढ़ावा मिलेगा और 'अमेरिकन ड्रीम' को साकार करने में अप्रवासियों के योगदान को भी रेखांकित किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अनुराधा और विकास सिन्हा ने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास को 20 मिलियन डॉलर यानी कि भारतीय रुपयों में 191 करोड़ से ज्यादा का दान दिया है।

अनुराधा और विकास सिन्हा के नाम पर बनेगा नया कॉलेज

इस तोहफे के सम्मान में, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास 'अनुराधा और विकास सिन्हा कॉलेज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स' की स्थापना करेगा। यह कॉलेज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित एक एकेडमिक और रिसर्च हब के तौर पर काम करेगा। यह एआई, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, एडवांस्ड एनालिटिक्स, हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, इंफॉर्मेशन साइंस, लाइब्रेरी साइंस और लर्निंग टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता को एक साथ लाएगा।

यूएनटी से सिन्हा परिवार का पुराना जुड़ाव : यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास में सिन्हा परिवार का निवेश यूनिवर्सिटी के साथ उनके

जुड़ाव के साथ-साथ बढ़ता गया है। 2024 में, उन्होंने 'अनुराधा और विकास सिन्हा डिपार्टमेंट ऑफ डेटा साइंस' की स्थापना के लिए तोहफा दिया, साथ ही स्कॉलरशिप, फैकल्टी, रिसर्च और विशेष पहलों को सपोर्ट करने के लिए एंडोमेंट भी दिए। एक साल बाद, उन्होंने एक और बड़ा तोहफा दिया और 'सिन्हा इनोवेशन लैब फॉर डेटा साइंस' की स्थापना की।

'शिक्षा ने हमारे लिए दरवाजे खोले हैं' : दान के बाद मीडिया से बात करते विकास सिन्हा ने कहा, 'शिक्षा ने हमारे जीवन भर हमारे लिए दरवाजे खोले हैं, और हम दूसरों के लिए भी उन दरवाजों को खुला रखना चाहते हैं।' यही एक बड़ी वजह है कि अनु और मुझे इस बात पर इतना पक्का भरोसा है कि यूएनटी छात्रों के लिए क्या कुछ मुमकिन बना सकता है, जिसमें वे छात्र भी शामिल हैं जो शायद किसी दूसरे देश से वही महत्वाकांक्षा और शिक्षा में वही विश्वास लेकर यहां आते हैं, जो कभी हमारे पास हुआ करता था।' हमारे लिए, यह तोहफा उस अवसर को आगे बढ़ाने और यह मानने के बारे में है कि अप्रवासी सिर्फ 'अमेरिकन ड्रीम' में हिस्सा ही नहीं लेते, वे इसे बनाने में मदद भी करते हैं।'

एआई के भविष्य को आकार देने वालों को तैयार करेगा यूएनटी : उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी पीढ़ी की अहम टेक्नोलॉजी में से एक होगी, और इसके भविष्य को आकार देने वाले लोगों को तैयार करने में यूनिवर्सिटी की अहम भूमिका है। यूएनटी के विजन के बारे में जो बात हमें उत्साहित करती है, वह यह है कि यह छात्रों को सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना सिखाने से कहीं आगे जाएगा। यह उन्हें इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने, समझने, उन पर सवाल उठाने, उन्हें चलाने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने के लिए तैयार करेगा। इससे इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने वाले और उनकी देखभाल करने वाले, दोनों तरह के लोग तैयार होंगे।

छह स्थायी फंड बनाए जाएंगे : 20 मिलियन डॉलर का यह दान छह स्थायी फंड (एंडोमेंट) बनाएगा, जो कॉलेज की लीडरशिप, छात्रों की स्कॉलरशिप, एंडोव्ड प्रोफेसरशिप, एंटरप्रेन्योरशिप और इनक्यूबेशन, एडवांस्ड रिसर्च और नई टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करेंगे।

दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगा कॉलेज : कॉलेज को दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगा: 'डिवीजन ऑफ एप्लाइड इंटेलिजेंस एंड इंफॉर्मेटिक्स', जो इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने और उन्हें लागू करने पर केंद्रित होगा; और 'डिवीजन ऑफ इंफॉर्मेशन एंड लर्निंग एप्लीकेशन', जो इस बात पर केंद्रित होगा कि जानकारी और इंटेलिजेंट सिस्टम इंसानी और संस्थागत संदर्भों में कैसे काम करते हैं।

एआई और डेटा साइंस रिसर्च को मिलेगा बढ़ावा : बयान में कहा गया है कि कॉलेज में 'एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस इंस्टीट्यूट' भी होगा, जो यूएनटी में एआई और एनालिटिक्स रिसर्च और एजुकेशन को जोड़ेगा और इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, साझा इंफ्रास्ट्रक्चर, बाहरी रिसर्च फंडिंग और इंडस्ट्री पार्टनरशिप के लिए मौके पैदा करेगा।

आंध्र प्रदेश से अमेरिका तक का सफर : आंध्र प्रदेश के कुरनूल में श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी और जी पुल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद, विकास और अनुराधा आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका आए और फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट डिग्री हासिल की। बाद में विकास ने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में अपनी पढ़ाई जारी रखी और 2023 में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास से पीएचडी पूरी की। विकास अभी ब्रॉडकॉम में मेनफ्रेम सॉफ्टवेयर डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट हैं।

भारतीय कंपनियों ने डेटा चुराया: अमेरिकी सीनेटरों ने की ब्लैक लिस्ट में डालने की मांग, क्या है पूरा मामला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन को पत्र लिखकर भारत की तीन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडेन और शेल्डन व्हाइटहाउस तथा रिपब्लिकन पैट हैरिगन ने कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक से सनकिस्ड ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड, बेलट्रॉक्स लिमिटेड और साइबररूट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इन कंपनियों ने हजारों अमेरिकियों और अमेरिकी कंपनियों का डेटा हैक करके चुराया।

15 साल से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप : वाइडेन, हैरिगन और व्हाइटहाउस ने लटनिक को लिखे पत्र में कहा,'भारत स्थित कई साइबर-मर्सिनरी ग्रुप (किराये के साइबर हैकर ग्रुप) 15 से अधिक वर्षों से अमेरिकी नागरिकों, व्यवसायों और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के खिलाफ टारगेटेड जासूसी कर रहे हैं।' सीनेटरों ने कहा कि रॉयटर्स और द सिटिज़न लैब की जांच के अनुसार, इन कंपनियों ने चल रहे मुकदमों को प्रभावित करने के लिए प्राइवेट इक्विटी फर्मों, फार्मास्युटिकल कंपनियों और प्रमुख अमेरिकी लॉ फर्मों के 1,000 से अधिक वकीलों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हैकिंग अभियान चलाए।

कतर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप : उन्होंने कहा कि इस बात के सबूत हैं कि ये समूह कतर सरकार के इशारे पर काम करते थे। वर्ल्ड कप बोली के विरोधियों और हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमिटी ऑन इंटेलिजेंस के पूर्व रिपब्लिकन चेयरमैन के परिवार को भी निशाना बनाया। सीनेटरों ने कहा,'इस सुरक्षा खतरे को और बढ़ाते हुए, इन साइबर मर्सिनरी और उनके सहयोगियों ने प्रमुख अमेरिकी मीडिया संगठनों की खोजी रिपोर्टिंग को सेंसर करने के लिए ग्लोबल लॉफेयर का आक्रामक अभियान चलाया है।' यह समन्वित प्रयास विदेशी संस्थाओं को विदेशी अदालतों का उपयोग करके अमेरिकी जनता को उनके अपने देश के लिए साइबर खतरों के बारे में अंधेरे में रखने की अनुमति देता है और अमेरिकी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करता है। सीनेटरों ने आरोप लगाया कि इन्हीं कंपनियों ने विदेशी अदालतों का दुरुपयोग करके अपने हैकिंग अभियानों के बारे में हो रही रिपोर्टिंग को सेंसर करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि अपनी आलोचना को दबाने और अपने अवैध हैकिंग अभियानों से जुड़े तथ्यों को छिपाने के लिए इन भारतीय कंपनियों ने गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और द न्यू यॉर्कर सहित अमेरिकी टेक्नोलॉजी और मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर कर रखे हैं।

फिलीपींस में समंदर के बीच नाव बनी आग का गोला: पांच यात्रियों की मौत और 87 लापता

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में बुधवार को एक यात्री फेरी में अचानक आग लग गई। हादसा देश के पश्चिमी हिस्से में समुद्र में हुआ। आग लगने के बाद बड़ी संख्या में लोग लापता हो गए। फिलीपींस कोस्ट गार्ड के मुताबिक, हादसे में अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 42 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। बचाव अभियान अभी जारी है, इसलिए लापता लोगों की संख्या आगे बदल सकती है। फिलीपींस कोस्ट गार्ड की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कायाबायब ने बताया कि फेरी पर कुल 134 लोग सवार थे। इनमें 117 यात्री और 17 चालक दल के सदस्य शामिल थे। आग लगने के बाद कई लोगों का पता नहीं चल पाया। अधिकारियों की ओर से फिलहाल 87 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई है, लेकिन बचाव और तलाश का अभियान जारी रहने के कारण यह आंकड़ा बदल सकता है। एमवी जून एस्टर मनीला से रवाना हुई थी। जब फेरी पलावन प्रांत में कोरोन के पास समुद्र में थी, उसी दौरान बुधवार को उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद फेरी पर सवार लोगों के बीच अफरातफरी की स्थिति बनी। हादसे की जगह पश्चिमी फिलीपींस के समुद्री क्षेत्र में बताई गई है। उपलब्ध जानकारी में आग लगने की वजह के बारे में कोई कारण नहीं बताया गया है। कोस्ट गार्ड के मुताबिक, अब तक 42 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 87 लोग लापता हैं। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया है कि यह अंतिम आंकड़ा नहीं है। कोस्ट गार्ड की टीमें लगातार बचाव अभियान चला रही हैं और लोगों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल की तस्वीरों में कोस्ट गार्ड के जवान बचे हुए लोगों को लाइफ जैकेट फेंकते हुए दिखाई दिए, जबकि पीछे फेरी जल रही थी। छोटी नावों के जरिए भी बचे हुए लोगों को कम गहरे पानी तक लाया गया। फिलीपींस के द्वीपसमूह में फेरी परिवहन का एक आम जरिया है। तूफ़ान, खराब रखरखाव वाली नावें, क्षमता से ज़्यादा लोगों का सवार होना और सुरक्षा नियमों का ठीक से पालन न होना जैसी वजहों से समुद्री दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

'कॉकरोच बन जाऊं, शायद जिंदगी बेहतर हो': विजय माल्या का बयान; भगोड़ा कहे जाने पर अब क्या बोले

लंदन, एजेंसी। भगोड़े आर्थिक अपराधी घोषित किए जा चुके कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर भारत सरकार पर अपने साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। लंदन में रह रहे माल्या ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने लिखा, 'जितने अन्याय मैंने झेले हैं और अब भी झेल रहा हूं, उसे देखते हुए सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की तरफ जिंदगी बेहतर हो।'

14,000 करोड़ की रिकवरी को लेकर माल्या का क्या दावा : विजय माल्या ने प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल एक हलफनामे का हवाला दिया। उनका दावा है कि ईडी ने इसमें स्वीकार

किया था कि उनसे करीब 14,000 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद की गई और 2021 में यह रकम उन बैंकों को दी गई, जिनका पैसा उनके ऊपर बकाया था। विजय माल्या ने कहा कि अगर लोगों को उनकी बात पर भरोसा नहीं है तो वे उनके बयान के बजाय ईडी के अदालत में दिए हलफनामे को देखें। उन्होंने लिखा कि हलफनामे में 2021 में बैंकों को 14,000 करोड़ से ज्यादा दिए जाने की बात कही गई है।

भारत लौटने को लेकर माल्या ने क्या सफाई दी : इससे पहले विजय माल्या ने कहा था कि वह भारत आने से इनकार करने वाले 'भगोड़े' नहीं हैं। उनका दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोके गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से उनके खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद यह पूरा मामला शुरू हुआ। विजय माल्या ने यह भी कहा कि बैंक को पैसा वापस किया जाना उनकी भारत में शारीरिक मौजूदगी पर निर्भर नहीं है। विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में एक कथित अकाउंट स्टेटमेंट की तालिका भी साझा की और खुद को गलत तरीके से भगोड़ा बताए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें अब भी उसी तरह पेश किया जाना चाहिए, जबकि उनके मुताबिक बैंकों का पैसा वापस किया जा चुका है। उन्होंने मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी पत्रकार की खबर की शुरुआत में ही उन्हें 'धोखाधड़ी करने वाला' या 'फ्रॉडस्टर' बताने के बजाय यह पूछा जाना चाहिए कि उन्हें अपना पैसा वापस कब मिलेगा। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत कुल 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इनमें विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं। वहीं, फरवरी 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने माल्या को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालत की कार्यवाही से बचते हुए समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत ने उन्हें यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका दिया था ।

एंथ्रोपिक-ओपनएआई के रिसर्चर ने दिया इस्तीफा, जनता को किया आगाह

वाशिंगटन, एजेंसी। एंथ्रोपिक और ओपनएआई में तीन साल तक मुख्य एआई मॉडल बनाने वाले 27 वर्षीय रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने इस्तीफा दे दिया है। 8 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने चेतावनी दी कि दोनों कंपनियां सुपरइंटेलिजेंस बनाने की अंधी दौड़ में 'हमारे जीवन के साथ जुआ खेल रही' हैं। कॉक्सन ने चेतावनी दी है कि एआई के विकास में शामिल कई अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि इस दशक के अंत तक यह मानवता के लिए घातक साबित हो सकता है। उन्होंने इस स्थिति की तुलना मैनहट्टन प्रोजेक्ट से करते हुए कहा कि सैन फ्रांसिस्को के कुछ इंजीनियर्स के हाथों में दुनिया की सबसे खतरनाक तकनीक का भविष्य तय हो रहा है। इस इस्तीफे ने पूरी दुनिया में एआई सुरक्षा और टेक

कंपनियों की पारदर्शिता पर एक नई बहस छेड़ दी है। कॉक्सन के मुताबिक, भले ही एंथ्रोपिक की सेफ्टी टीमें ईमानदारी से काम करना चाहती हैं, लेकिन बाजार की कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण सुरक्षा से जुड़े समझौतों से बचना नामुमकिन हो गया है। दोनों कंपनियों को लगता है कि अगर वे नहीं रुकीं, तो उनका प्रतिद्वंद्वी आगे निकल जाएगा। कॉक्सन ने चेतावनी दी कि एआई जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उससे अगले साल के अंत तक ही ऐसी स्थितियां बन सकती हैं जहां एआई सिस्टम इंसानों के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो जाएं।

कॉक्सन ने दोनों कंपनियों पर आरोप लगाया कि वे एआई की बेकाबू रफ्तार से जुड़े अपने असली डर को आम जनता से छुपा रही हैं। कॉक्सन का कहना है कि एआई कंपनियां खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस तक जल्दी पहुंचना चाहती हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर कोई कंपनी पीछे रह गई, तो दूसरी कंपनी पहले ऐसी तकनीक विकसित कर सकती है। इसी डर के कारण कंपनियां जोखिम के बावजूद्द आगे बढ़ रही हैं।

350 से अधिक टेक दिग्गज बता चुके हैं महामारी और परमाणु युद्ध जैसा खतरा : ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और एंथ्रोपिक लीईओ डारियो अमोदेई सहित दुनिया के 350 से अधिक शीर्ष टेक लीडर्स ने कहा है एआई के जोखिम को कम करना एक वैश्विक प्राथमिकता होनी चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे महामारी और परमाणु युद्ध जैसी अन्य सामाजिक स्तर की आपदाओं से निपटने को प्राथमिकता दी जाती है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स का कहना है कि एआई तकनीक का इस्तेमाल अपराधी या आतंकवादी खतरनाक वायरस या कंप्यूटर वायरस बनाने के लिए कर सकते हैं, जिससे पूरी दुनिया में भारी उथल-पुथल मच सकती है।

कॉक्सन ने कहा कि तकनीक की दौड़ को रोकने के लिए एआई मॉडल की क्षमताएं बढ़ाने पर अस्थायी रोक जैसे कड़े कदमों पर विचार किया जाना चाहिए।

धमाकों से दहले सऊदी और ईरान: पश्चिम एशिया में फिर बढ़ रहा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कब खत्म होगा युद्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के अनुसार, सिरिक और मिनाब काउंटी के तटीय इलाकों में बुधवार को लगातार कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इन घटनाओं को लेकर होर्मोजगान प्रशासन ने बताया कि केशम में सुनी गई आवाजों का स्रोत समुद्र में पाया गया है। वहीं, आईआरआईबी ने अरब मीडिया के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस पर भी कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा, ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने खबर दी कि सऊदी शहर ताइफ में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी मीडिया के हवाले से आईआरएनए ने कहा कि इलाके में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद 'तुरंत' खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने तेहरान पर आरोप लगाया कि वह इस उम्मीद में संघर्ष को खींच रहा है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन हो और उसे परमाणु हथियार हासिल करने का मौका मिल सके।

कब खत्म होगा युद्ध : टेक्सास के डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। क्योंकि वे अब और नहीं टिक सकते। वे चुनाव को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वहां लोगों का एक अच्छा, कमजोर समूह सत्ता में आ सके और हम उन्हें अकेला छोड़ दें और उन्हें अपना परमाणु हथियार हासिल करने दें। वे बस परमाणु हथियार चाहते हैं और अगर उनके पास परमाणु हथियार आ गया, तो पूरी दुनिया बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी।

बातचीत को लेकर ट्रंप ने दिया संकेत : जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ राजनयिक बातचीत फिर से शुरू होगी या सैन्य अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, तो उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल बातचीत को लेकर जल्दबाज़ी में नहीं है। हालिया सैन्य अभियानों ने ईरानी सरकार को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। किसी भी अंतिम कूटनीतिक समाधान का दायरा पारंपरिक परमाणु समझौतों तक सीमित नहीं होगा।

हूतियों को ईरान का प्रॉक्सी बताने पर बघाई का पलटवार : दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि यमन के हूती विद्रोही तेहरान के प्रॉक्सी यानी प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। बघाई ने कहा कि हूती समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बाहरी दखलंदाजी को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा,'मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारुल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है, जो अपने फैसले खुद लेता है।

'पुतिन समझौते के लिए तैयार': ट्रंप ने बता दिया कौन डाल रहा अड़ंगा; क्या खत्म होने वाला है रूस-यूक्रेन युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर हुई बातचीत को 'बहुत अच्छी' बताया है। ट्रंप का दावा है कि पुतिन यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी डील के लिए तैयार हैं तो यह अच्छी बात होगी। ट्रंप ने युद्ध की बातचीत में अड़चन के तौर पर पुतिन और जेलेंस्की के बीच दुश्मनी को बताया है।

ट्रंप ने अड़चन के लिए किसे बताया जिम्मेदार : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'अड़चन दो लोग हैं, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं।' उनका इशारा पुतिन और जेलेंस्की की ओर था। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ताजा रिपोर्टों के मुताबिक अभी दोनों पक्षों के बीच किसी अंतिम समझौते पर सहमति नहीं बनी है।

अमेरिकी दूत मॉस्को और कीव पहुंचे, फिर भी क्यों नहीं बनी बात : हाल ही में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर ने पहले मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की और उसके बाद कीव जाकर जेलेंस्की से बातचीत की। मकसद शांति वार्ता को दोबारा पटरी पर लाना था। दोनों मुलाकातों को सकारात्मक और रचनात्मक बताया गया, लेकिन कोई ठोस सफलता सामने नहीं आई।

सबसे बड़ी अड़चन क्या : रूस और यूक्रेन के बीच सबसे बड़े विवादों में से एक यूक्रेन के उन इलाकों का भविष्य है, जिन पर रूस का कब्जा है। रूस डोनेट्स्क के बचे हुए हिस्से समेत क्षेत्रीय मांगों पर अड़ा हुआ है, जबकि जेलेंस्की मौजूदा यूक्रेनी नियंत्रण वाले इलाकों को रूस को सौंपने के खिलाफ हैं। यही वजह है कि बातचीत फिर शुरू करने की कोशिशों के बावजूद समझौते का रास्ता आसान नहीं दिख रहा। कूटनीतिक कोशिशों के साथ जमीन पर लड़ाई और हवाई हमले भी जारी हैं। हालिया रूसी

हमलों में कीव समेत यूक्रेन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया है। दूसरी ओर यूक्रेन भी रूस के भीतर लंबी दूरी के ड्रोन हमले कर रहा है। यानी बातचीत की मेज पर शांति की कोशिश चल रही है, लेकिन मोर्चे पर युद्ध अभी थमा नहीं है।

क्या जल्द युद्ध खत्म होने की उम्मीद है : अभी इसे लेकर कोई पक्की समयसीमा नहीं है। अमेरिका बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और रूस ने भी वार्ता फिर शुरू करने की इच्छा जताई है, लेकिन दोनों पक्षों की मांगों में बड़ा अंतर बना हुआ है। इसलिए ट्रंप का 'डील' वाला दावा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसे अभी शांति समझौता हो जाने के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

ईरानी टैंकरों पर हमलों को लेकर क्या बोले ट्रंप : दूसरी ओर, ईरान से जुड़े टैंकरों पर हमलों को लेकर भी ट्रंप ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के नौ जहाजों को निशाना बनाया है। ट्रंप ने साफ कहा कि ये हमले अमेरिका की ओर से किए गए हैं और आने वाले समय में ऐसे और हमले देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दा बातचीत का हिस्सा जरूर होगा, लेकिन इसके अलावा भी कई दूसरे मुद्दे मेज पर होंगे। ट्रंप के मुताबिक, इनमें से कुछ बातें ऐसी हैं जो तीन महीने पहले बातचीत की मेज पर नहीं थीं। ट्रंप ने कहा, 'मैं सिर्फ परमाणु समझौते से कहीं ज्यादा कर रहा हूं। परमाणु मुद्दे से बहुत कुछ ज्यादा है। परमाणु समझौता होगा, यह 99.9 है, लेकिन मेज पर कई दूसरी चीजें भी होंगी, जो तीन महीने पहले मेज पर नहीं थीं।'

सुप्रीम लीडर के बारे में ट्रंप ने क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि अगर मैंने जेसीपीओए (जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन) को रद्द नहीं किया होता और अगर हमने अपने शानदार बी2 बॉम्बर्स से ईरान पर हमला नहीं किया होता, तो आज उनके पास परमाणु हथियार होता और मैं सुप्रीम लीडर से ऐसे बात कर रहा होता - 'मिस्टर सुप्रीम लीडर सर, आप कैसे हैं' अब मुझे ऐसा नहीं करना है। हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दे सकते।

चुनाव और युद्ध को लेकर ट्रंप का क्या दावा : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। वे चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश में बेताब हैं, ताकि वहां अच्छे और कमजोर लोगों का समूह आ जाए और उन्हें अकेला छोड़ दे और उन्हें अपना परमाणु हथियार रखने दिया जाए।

नेतन्याहू का दावा, दक्षिणी लेबनान में दो दशक पहले बनाई गई थी खास सुरंग

इजराइल ने उड़ाई हिजबुल्लाह की 2 किमी लंबी सुरंग, आ गया 4.1 तीव्रता का भूकंप

● बेरुता

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में इतना जोरदार धमाका किया कि आसपास के इलाकों की धरती हिल गई। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक अली अल ताहिर में हिजबुल्लाह ने धरती के अंदर अपना ठिकाना बना रखा था। जोरदार धमाका करके इजराइल ने हिजबुल्लाह की सुरंग नेस्तनाबूत कर दी। यूएसजीएस के मुताबिक धमाके के बाद आसपास के इलाकों मे भूकंप महसूस हुआ। हालांकि अब तक इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि यह भूकंप धमाके की वजह से ही आया था या फिर प्राकृतिक वजहों से।

दो दशक पहले बनाई थी यह सुरंग : इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि दो दशक पहले हिजबुल्लाह द्वारा बनाई गई बड़ी सुरंग खत्म कर दी गई है। यहीं से हिजबुल्लाह प्लानिंग और फंडिंग का काम देखता था। इजराइल ने दावा किया कि करीब 2 किमी लंबी इस सुरंग में रॉकेट, मिसाइल, ड्रोन, एंटी टैंक मिसाइल, मशीन गन और गोला-बारूद रखा जाता था। इजराइल ने कहा कि इसी सुरंग में हिजबुल्लाह के बड़ा कमांडर भी रहते थे। इजराइल ने बताया कि धमाके से पहले ही हिजबुल्लाह के कई लड़ाके भाग निकले थे। वहीं जो सुरंग में बचे थे वे मारे गए। इजराइल ने कहा कि हिजबुल्लाह इस तरह का इन्फ्रास्ट्रक्चर दोबारा ना बना पाए इसके लिए इलाके में तैनाती कर दी गई है। आपको बता दें कि इजराइल की सीमा से अली-अल-ताहिर की दूरी सिर्फ 15 किमी है। यहां से हिजबुल्लाह इजराइल पर हमले करता है। कुछ दिन पहले इजराइल की सेना ने दावा किया था कि उसका रणनीतिक रूप से अहम अली ताहेर पहाड़ी पर कब्जा है।

लेबनान के गांव पर हुआ था इजराइली हमला

चार दिन पूर्व इजराइल ने लेबनान के एक गांव पर बड़ा हमला किया था जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की जान चली गई थी। दो माह पूर्व हुए संघर्ष विराम के बावजूद इजराइल और चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला में फिर से बढ़ते तनाव के दौरान हुए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में एक इमारत को भी निशाना बनाया गया, जिसमें एक बच्चे और दो महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई। इससे पहले सोमवार को इजराइल की सेना ने दीर अल-जहरानी गांव में एक घर को खाली करने की चेतावनी जारी की थी और इसके तुरंत बाद एक इमारत पर हमला किया गया। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले रविवार को भी इजराइल की ओर से दक्षिणी लेबनान में किए गए हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी और एक खाली अस्पताल पूरी तरह जमींदोज हो गया था।

लाल सागर के मोखा सिटी पर हूतियों ने किया कब्जा

बाब-अल-मंदेब के बेहद करीब पहुंचा ईरान समर्थित गुट

एनआरएफ ने मोखा में सुरक्षा फिर मजबूत करने का दावा किया

● बेरुता

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है। यमन सरकार के तीन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। मोखा बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट से 50 मील से भी कम दूरी पर है। गुरुवार सुबह यमनी सरकारी बलों के शहर से पीछे हटने और हूती लड़ाकों के आगे बढ़ने की खबरें सामने आईं। सोशल मीडिया पर भी शहर के अंदर हूती लड़ाकों की तस्वीरें और वीडियो सामने आए। मोखा पर कब्जा हूतियों के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

इससे लाल सागर और बाब-अल-मंदेब के आसपास उनकी पकड़ और मजबूत हो सकती है। हालांकि, हूतियों के खिलाफ लड़ रहे नेशनल रेजिस्टेंस फ्रंट ने कहा कि उसके एक कमांडर ने गुरुवार सुबह सैन्य टुकड़ी के साथ मोचा में प्रवेश किया है। संगठन ने कहा कि मोखा की सुरक्षा को फिर से व्यवस्थित और मजबूत करने का काम एंटी-हूती गठबंधन के साथ मिलकर किया जा रहा है। एनआरएफ के मुताबिक, उसकी सेनाओं की हूती नौसैनिक बलों से भी झड़प हुई। यमन सरकार के चार सैन्य सूत्रों के मुताबिक, हूती बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पर अपना असर बढ़ाने के करीब पहुंच गए हैं। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है।

सऊदी अरब के साथ भी यमन की लड़ाई जारी

हाल के दिनों में हूतियों और सऊदी अरब समर्थित यमनी सरकारी बलों के बीच लड़ाई तेज हुई है। 2022 में यूएन की मध्यस्थता से हुए सीजफायर ने यमन में लंबे समय से जारी जंग को काफी हद तक रोक दिया था, लेकिन यह डील अब कमजोर पड़ती दिख रही है। हूतियों ने बुधवार को दावा किया था कि सऊदी अरब ने यमन के जौफ, मारिब और सादा प्रांतों के साथ-साथ ताइज़ और लाल सागर के किनारे स्थित अल-हुदैदाह पर हमले किए। सऊदी अरब ने इन हमलों की पुष्टि नहीं की। उधर, सऊदी अरब के खमिस मुशैत में गुरुवार को 24 घंटे में चौथी बार इमरजेंसी अलर्ट जारी किया गया। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के मुताबिक, हालिया हूती हमलों में देश के चार दक्षिणी शहरों में कम से कम 73 लोग घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु के पूर्व एडीसी ऋषभ सिंह संब्याल ने अपने अनुभवों को किया साझा

राष्ट्रपति के साथ सख्त नौकरी और शादी नहीं कर सकता

● नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पूर्व सहयोगी और एडीसी रहे ऋषभ सिंह संब्याल ने आर्मी में 12 साल सेवा देने के बाद समय से पहले रिटायरमेंट लेकर सभी को चौंका दिया। उन्हें सोशल मीडिया पर नेशनल क्रश भी कहा जाने लगा था। रिटायरमेंट के कुछ दिनों बाद अब उन्होंने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू किया है। राज शमानी के साथ किए गए इस पॉडकास्ट इंटरव्यू में ऋषभ सिंह संब्याल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के एडीसी रहने के दौरान के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने खुलासा कि उन्होंने इस भूमिका को निभाते हुए सबसे बड़ा कौन सा त्याग किया। इस इंटरव्यू में उन्होंने भारत के राष्ट्रपति की

सुरक्षा के लिए होने वाली ट्रेनिंग के बारे में भी विस्तार से बताया है। अपने त्याग के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि मैं शादीशुदा नहीं हूं। राष्ट्रपति का एडीसी बनने के लिए क्लॉज है कि वे शादी नहीं कर सकते। मुझे परिवार से दूर रहना पड़ता है और मुझे लगता है कि यह सबसे बड़ा त्याग है।

मिडिल ईस्ट में आवाजाही व व्यापार की आजादी हो

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति संग की वार्ता

● नई दिल्ली

दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। यहां पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की। पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से वार्ता और कूटनीति के जरिए मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष को सुलझाने पर जोर दिया। दोनों नेताओं की यह दो हफ्ते से भी कम समय में दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात थी। यह वार्ता ईरानी नेता के ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए नई दिल्ली पहुँचने के कुछ ही घंटों बाद हुई। हालांकि ईरानी राष्ट्रपति के तौर पर मसूद पेजेशकियन की भारत की यह पहली यात्रा है।

31 अगस्त को बिश्केक में एससीओ समिट में पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात की थी, जहां पीएम ने कहा था कि भारत इस टकराव को खत्म करने की सभी कोशिशों का समर्थन करता है। वहीं, ईरानी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से आग्रह किया था कि वे अलग-अलग पक्षों के साथ भारत के व्यापक संपर्कों का इस्तेमाल करें ताकि उन्हें बातचीत और समझौते के रास्ते पर लाया जा सके।

मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा

मसूद पेजेशकियन का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान के खिलाफ अमेरिका द्वारा नए आर्थिक प्रतिबंध लागू किए जाने के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव अचानक बढ़ गया है। दोनों नेताओं की ब्रिक्स समिट से अलग इस द्विपक्षीय बैठक को लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर बात की। पीएम मोदी ने भारत के इस लगातार बने हुए रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों का हल वार्ता और कूटनीति के जरिए किया जाना चाहिए। एक बयान में कहा गया है कि पीएम मोदी ने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने, आवाजाही और व्यापार की आजादी की रक्षा करने, और समुद्री नाविकों की सुरक्षा व भलाई के लिए लगातार कोशिशों की जरूरत पर भी जोर दिया।

सीजीएसटी अधीक्षक व सलाहकार गिरफ्तार

नवी मुंबई आरएनएन। सीबीआई ने सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, रायगढ़ के आयुक्त कार्यालय में विभागीय अधीक्षक तथा एक सीजीएसटी सलाहकार को रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। न्यू पनवेल स्थित एक निजी रियल्टी कंपनी के प्रोजेक्ट प्रमुख की शिकायत के आधार पर गत 9 सितंबर को मामला दर्ज किया गया। रियल्टी कंपनी न्यू पनवेल के सेक्टर 17 में दो इमारतों को बनाने का काम कर रही है, जिसमें से 24 फ्लैट रायगढ़ सीजीएसटी आयुक्त कार्यालय के स्वामित्व में हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी विभागीय अधीक्षक ने निर्माण कार्य के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने और फ्लैटों को सौंपने के एवज में एक करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी।

एक करोड़ रिश्वत मामले में सीबीआई का एक्शन

बैंक में मिर्च पाउडर फेंका और 4 लाख लेकर भागा

● नागपुर

राजधानी में एसबीआई की एक शाखा में हैरान करने वाला मामला सामने आया। बैंक में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक आदमी ने अचानक कर्मियों पर लाल मिर्च पाउडर फेंकना शुरू कर दिया। इससे उन्हें कुछ दिखाई नहीं दिया और वे अपनी जान बचाने इधर-उधर भागने लगे। जब बैंक कर्मचारी इस अफरा-तफरी से जूझ रहे थे, तो उस आदमी ने काउंटर से 4 लाख नकद उठाए और भाग गया। हालांकि पुलिस ने 30 मिनट में ही उसे पकड़ लिया और पूरी रकम बरामद कर ली। घटना गुरुवार शाम करीब 6:00 बजे नागपुर में स्टेट बैंक की ब्रांच में हुई। जानकारी के मुताबिक, बैंक शाखा में एक आदमी आम ग्राहक बनकर घुसा। वह कैश काउंटर तक गया और इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, उसने अपने पास छिपाकर रखी लाल मिर्च पाउडर निकाली और सीधे बैंक कर्मियों की आंखों में फेंक दी।

एसबीआई नागपुर की ब्रांच में हुआ अजब वाकया

सीसीटीवी फुटेज में आरोपी बैंक कर्मियों पर लाल मिर्च पाउडर फेंकते हुए देखा जा सकता है। एक वीडियो में दो-तीन कर्मी अपनी जान बचाने के लिए भागते दिख रहे हैं, जबकि वह आदमी, जिसने अपना पूरा चेहरा ढका हुआ था, उनके पीछे भाग रहा है। इस अचानक हुए हमले से बैंक में अफरा-तफरी मच गई।

यूएस का ईरान समर्थित आतंकी नेटवर्क और वित्तीय नेटवर्क पर कसा शिकंजा

● वाशिंगटन

अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन के ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट या कारोबारी नाकाबंदी के तहत ईरान से जुड़े कताइब हिजबुल्लाह, लेबनानी हिजबुल्लाह और आतंकवाद को वित्तपोषित करने वाली कंपनियों के बड़े नेटवर्क के खिलाफ नए कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की है।

ईरान पर कारोबारी नाकाबंदी के तहत यूएस ने नए प्रतिबंध लगाए

यूएस विदेश मंत्रालय और वित्त मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयानों के अनुसार, यह कार्रवाई इराक, लेबनान, संयुक्त अरब अमीरात और तुर्की में सक्रिय उन वित्तीय और रसद नेटवर्कों को निशाना बनाकर की गई है, जो ईरान की आईआरजीसी- कुड्स फोर्स और उसके छद्म संगठनों को सैन्य उपकरण जुटाने, मनी लॉन्ड्रिंग करने और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने में मदद करते हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कार्रवाई ईरान के घटते संसाधनों और उसके सहयोगी आतंकी नेटवर्कों को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से पूरी तरह बेदखल करने के उद्देश्य से की गई है।

बैन के तहत हिजबुल्लाह के चार वरिष्ठ कमांडरों और सदस्यों अली हसन फरहान अल-लामी, हुसैन अहमद हुसैन अल-धुहैबावी, मो. अमीन फाजिल अली मोहम्मद कासिम अल-हरैशवी को नामजद किया गया है। यूएस का आरोप है कि इस गुट को इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज के बजट से 2.6 अरब डॉलर से अधिक का धन मिलता है। और इसने फरवरी 2026 से अमेरिकी और गठबंधन सेनाओं पर कई ड्रोन व रॉकेट हमले किए हैं।

आयुर्वेदिक हुक्का लेकर आए बाबा रामदेव, बताए फायदे

● नई दिल्ली

योग गुरु बाबा रामदेव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वह आयुर्वेदिक हुक्के के बारे में बताते नजर आ रहे हैं।

इसमें तंबाकू की जगह मुलेठी, हल्दी, राई, गाय का घी, काकड़ा सिंगी और देसी कपूर जैसी चीजों का इस्तेमाल बताया गया है। इससे बंद नाक और खांसी में राहत मिल सकती है और उन्होंने इसे आयुर्वेद के वात-पित्त-कफ से भी जोड़ा है। हालांकि, इन दावों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित इलाज नहीं माना जाना चाहिए। खासकर अस्थमा, सांस की बीमारी या लंबे समय से खांसी वाले लोगों को ऐसा प्रयोग बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं करना चाहिए।

श्री जगन्नाथ मंदिर के आभूषणों की सूची गोपनीय रहेगी

पुरी, आरएनएन। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने शुक्रवार को कहा कि श्री जगन्नाथ मंदिर के बहुमूल्य आभूषणों में दुर्लभ पन्ने, हीरे, नीलम तथा माणिक जड़े हुए हैं और इसकी सूची गोपनीय रखी जायेगी और इसे सार्वजनिक नहीं किया जायेगा।

यहां एक सम्मान समारोह के इतर पत्रकारों से बातचीत में श्री हरिचंदन ने बताया कि भीतर रत्न भंडार के आभूषणों की जारी सूची तैयार करने और 1978 की सूची से प्रत्येक आभूषण के मिलान की प्रक्रिया में मार्गशीर्ष (दिसंबर की शुरुआत) से तेजी आने और इसके जल्द पूरे होने की उम्मीद है।

आज का इतिहास

- **1217:** फ्रांस के राजकुमार लुई और इंग्लैंड के राजा हेनरी तृतीय ने पीस डील पर साइन किये।
- **1398:** मंगोल आक्रमणकारी तैमूर लंग सिंधु नदी के तट पर पहुंचा।
- **1786 :** लार्ड कॉर्नवालिस ने गवर्नर जनरल बना।
- **1873:** पहले टाइपराइटर की बिक्री शुरू।
- **1897:** सारागढ़ी का प्रसिद्ध युद्ध लड़ा गया, जिसमें 21 सिख सैनिकों ने हजारों अफगान पठानों का डटकर मुकाबला किया।
- **1912:** फिरोज गांधी का जन्म बॉम्बे (अब मुंबई) में एक पारसी परिवार में हुआ।
- **1928:** फ्लोरिडा में भीषण तूफान से 6000 लोगों की मौत।
- **1931:** महात्मा गांधी गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लंदन पहुंचे।

दावा एंथ्रोपिक की रिपोर्ट ने चौंकाया, हूती विद्रोही मिसाइल बनाने में ले रहे एआई की मदद

क्लाउड एआई से मिसाइल बना रहे ईरान के दोस्त हूती

● वाशिंगटन

एआई को लेकर एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है जिसने अमेरिका को परेशान कर दिया है। कहा जा रहा है कि एआई कंपनियों का इस्तेमाल आतंकी संगठन मिसाइल बनाने के लिए कर रहे हैं। खबरों की मानें तो यमन स्थित हूती समूह मिसाइलें बनाने एआई का इस्तेमाल कर रहा है। दिग्गज अमेरिकी एआई कंपनी एंथ्रोपिक की एक नई रिपोर्ट में यमन स्थित एक हथियार इंजीनियरिंग सेल का पता चलने का दावा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस समूह ने एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लाउड का इस्तेमाल मिसाइलों और एक गाइडेड रॉकेट के लिए गाइडेंस सॉफ्टवेयर डेवलप करने में किया। हूती ईरान के खास दोस्त हैं और उन्हें ईरान से हर तरह की मदद मिलती है। एंथ्रोपिक ने रिपोर्ट में बताया कि उसने चीन, रूस और यमन में ऐसे छह ऑपरेशनों को बाधित किया, जहां क्लाउड का इस्तेमाल पारंपरिक हथियारों के डेवलपमेंट, खुफिया जानकारी जुटाने या हथियारों की खरीद से जुड़े कामों में किया जा रहा था।

2,000 किमी से ज्यादा रेंज वाली मिसाइल पर काम: एंथ्रोपिक के मुताबिक, यमन में सक्रिय यह सेल कई मिसाइल कार्यक्रमों पर काम कर रहा था। इनमें एक मल्टी-स्टेज बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी, जिसकी बताई गई रेंज 2,000 किमी से ज्यादा थी। इसके अलावा समूह एक मिसाइल सिस्टम पर भी काम कर रहा था, जिसे आर 2000 सेट के नाम से जाना जाता है।

इसमें कई तरह के काम थे शामिल

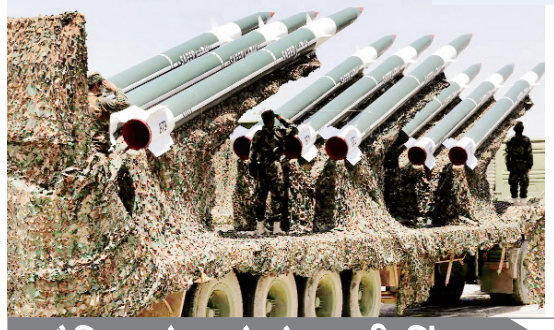

- ओपन-सोर्स ऑटोपायलट को फोन-क्लास फ्लाइट कंप्यूटर से जोड़ना
- उड़ने वाले वाहन को नियंत्रित और स्थिर रखने के लिए सॉफ्टवेयर तैयार करना
- कंट्रोल और पोजिशन-एस्टिमेशन सॉफ्टवेयर लिखना
- कंट्रोल सेटिंग्स को ट्यून करना
- फर्मवेयर बिल्ड चलाना
- फ्लाइट सिमुलेशन करना

जैविक शोध को लेकर भी चिंता

एंथ्रोपिक ने अपनी जांच के दौरान संभावित रूप से खतरनाक जैविक शोध से जुड़े कई अन्य मामलों की भी पहचान की। इनमें बर्ड फ्लू, चिकनगुनिया, ऑर्थोपॉक्सवायरस और विषैले टॉक्सिन से संबंधित काम शामिल थे। कंपनी ने 30 दिनों की अवधि में संभावित रूप से चिंताजनक गतिविधियों से जुड़े करीब 35 अलग-अलग रिसर्च प्रयासों की पहचान की। हालांकि, एंथ्रोपिक ने यह भी स्पष्ट किया कि वह यह तय नहीं कर सकी कि इन मामलों में शामिल लोगों का उद्देश्य नुकसान पहुंचाना था या वे वैध वैज्ञानिक शोध कर रहे थे। एक मामले में चिकनगुनिया वायरस की संक्रमण क्षमता और इम्यून सिस्टम से बचने की क्षमता पर गेन-ऑफ-फंक्शन रिसर्च के लिए ग्रांट आवेदन तैयार करने में मदद शामिल थी। दूसरे मामले में यह शोध किया जा रहा था कि बर्ड फ्लू वायरस स्तनधारियों के अनुसार कैसे ढलते हैं और गंभीर बीमारी कैसे पैदा करते हैं।

वीजा होने के बावजूद 92 पाक सिखों को रोका गया

● लाहौर

उत्तराखंड स्थित हेमकुंड साहिब की तीर्थयात्रा के लिए वीजा हासिल करने वाले 92 पाक सिखों को शुक्रवार को आव्रजन अधिकारियों ने उड़ान में सवार होने से रोक दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी के अधिकारी ने बताया कि महिलाओं और बच्चों समेत 92 पाक सिख एक उड़ान में सवार होने के लिए फैसलाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे थे।

यह हवाई अड्डा लाहौर से करीब 150 किमी दूर है। अधिकारियों ने सिख श्रद्धालुओं को खाड़ी देश होकर भारत जाने वाली उड़ान में सवार होने से रोक दिया, क्योंकि उनके पास वापसी का टिकट और संघीय सरकार से जारी एनओसी नहीं थी।

पाक -भारत में नहीं है सीधा संपर्क

फिलहाल पाक-भारत के बीच हवाई, रेल या सड़क मार्ग से कोई सीधा संपर्क नहीं है। संघीय सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि संबंधित सिखों ने अपने स्तर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के माध्यम से भारतीय वीजा की व्यवस्था की थी। अधिकारी ने कहा कि उन्हें यात्रा के लिए पाक सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के साथ समन्वय करना चाहिए था और भारत में प्रवेश के लिए वाघा सीमा का रास्ता अपनाना चाहिए था।

उच्चस्तरीय बैठक | सावधानी व सतर्कता ही लम्पी रोग का बचाव जन-जागरूकता के लिए चलाएं अभियान

लम्पी स्किन रोग के प्रति राज्य सरकार पूरी तरह से सजग, लम्पी रोग के संक्रमण की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में:शर्मा

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार लम्पी रोग के प्रति पूरी तरह सजग एवं सतर्क है तथा सरकार द्वारा समयबद्ध रूप से की गई तैयारियों के फलस्वरूप स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि सावधानी और सतर्कता ही पशुओं में लम्पी रोग से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। ऐसे में प्रभावित क्षेत्रों में रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार के उपायों की जानकारी देने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जाए, ताकि पशुपालक पैनिक में न आएं और समय पर आवश्यक सावधानियां बरतें। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास पर लम्पी स्किन रोग की स्थिति एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गोवंश संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रभावी एवं समन्वित प्रयास किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र के कुछ जिलों में ही लम्पी रोग के मामले सामने आए हैं, पूरे प्रदेश में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में टीकाकरण अभियान को और तेज करने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में रोग प्रतिरोधक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, गोशालाओं एवं अन्य स्थानों पर संक्रमित पशुओं को आइसोलेट करने तथा आवश्यक सभी प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को क्षेत्र में निरंतर निगरानी के लिए पाबंद करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को आवश्यक सावधानियां अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए तथा रोग की रोकथाम के लिए विभागीय स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की जाए। बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में लम्पी रोग से 10 हजार 403 संक्रमित पशु पाये गए है। इनमें से 6 हजार 905 पशुओं की रिकवरी हो चुकी है तथा रिकवरी में वृद्धि हो रही है। साथ ही, प्रदेशभर में 87 प्रतिशत से अधिक टीकाकरण किया जा चुका है। पशुपालन विभाग द्वारा रोग की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान, राज्य एवं जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर रैपिड रेस्पांस टीम का गठन, पशुपालकों को साइपरमेथ्रिन एवं सोडियम हाईपोक्लोराईट के वितरण सहित कई प्रयास किए है। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोडा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव पशुपालन एवं गोपालन विकास सीतारामजी भाले सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के बीच जयपुर में होगा 'हरित संगम 2026'

जयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के अंतर्गत जयपुर में 14 से 18 नवम्बर 2026 तक 'हरित संगम 2026' का आयोजन किया जाएगा। हरित संगम 2026 के पोस्टर का विमोचन राजस्थान के महामहिम राज्यपाल मा. हरिभाऊ जी बागडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी आधारित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए 'हरित संगम' जैसे आयोजनों की आवश्यकता है, जो समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करें। राज्यपाल ने 'हरित संगम 2026' के आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं। हरित संगम 2026 के सचिव अशोक मित्तल ने बताया कि मुख्य आयोजन से पूर्व जयपुर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से व्यापक जनभागीदारी अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से प्रारंभ होकर दीपावली, 8 नवम्बर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान में विशेष रूप से मातृशक्ति की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके अंतर्गत घर-घर गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, घर के बाहर स्वच्छता एवं रंगोली निर्माण, प्रत्येक घर में न्यूनतम तीन पौधों का रोपण, परिवार में 'मंगल संवाद' तथा भूले-बिसरे लोकगीतों की सामूहिक प्रतियोगिता जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

न्यूज इन बॉक्स

डॉ. रवींद्र भारती: लोककला अपने समय में हमेशा समसामयिक रही

देशज परंपराओं और आधुनिक कला के जुड़ाव पर हुई चर्चा

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में संस्कार भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. रवींद्र भारती जयपुर में प्री-लोकमंथन कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि लोक कला केवल अतीत की परंपराओं को संजोने का माध्यम नहीं है, बल्कि वह अपने समय, समाज और परिस्थितियों के साथ निरंतर बदलती रही है। भारतीय लोक के अंतर्गर्भ में प्रकृति प्रेरित विश्व-सृष्टि की भावना सदैव सक्रिय रही है। लोक कला अपने समय में समसामयिक रही है और देश, काल व परिस्थिति के अनुरूप कल्याणकारी स्वरूप को सामने लाती रही है। राजस्थान विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग और संस्कार भारती, जयपुर प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगीत विभाग के मुख्य सभागार में 'लोक से संतृप्त समसामयिक कला' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम लोकमंथन के 'देश-काल-स्थिति = हम भारत के लोग' विषय के तहत आयोजित हुआ। चर्चा में कलाकारों और कला विशेषज्ञों ने लोक परंपराओं, आंचलिक परिवेश और समसामयिक कला के बीच संबंधों पर विचार साझा किए।

जयपुर एयरपोर्ट पर ग्लैमरस अंदाज में दिखीं उर्वशी रौतेला

रवि शास्त्री को देख फैन्स में उत्साह; अजय देवगन से हनी सिंह तक के डुप्लिकेट भी पहुंचे

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में शुक्रवार को जयपुर एयरपोर्ट पर बॉलीवुड, क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियों की आवाजाही से माहौल खास नजर आया। दोपहर की फ्लाइट से बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला जयपुर पहुंचीं। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रवि शास्त्री भी एयरपोर्ट पर नजर आए। वहीं, कुछ समय बाद अजय देवगन, हनी सिंह, गोविंदा और अनिल कपूर जैसे बॉलीवुड सितारों के लुक लाइक डुप्लिकेट्स ने भी जयपुर में दस्तक दी। ये कलाकार जयपुर के एक होटल में परफॉर्म करेंगे।सेलिब्रिटीज जैसे लुक वाले इन कलाकारों की मौजूदगी ने एयरपोर्ट पर यात्रियों और प्रशंसकों का ध्यान खींचा। दोपहर की फ्लाइट से अभिनेत्री उर्वशी रौतेला जयपुर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर उन्होंने ग्लैमरस लुक में एंट्री ली। उन्हें देखते ही कुछ प्रशंसक उनके साथ तस्वीर लेने के लिए आगे आए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने की तैयारियों की समीक्षा

अफीम,डोडा-पोस्त तथा एमडी जैसे मादक पदार्थों की जब्ती के मामले में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी एवं दुरुपयोग की रोकथाम के लिए 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन 2026-29' तैयार करने के संबंध में सचिवालय में बैठक आयोजित हुई।

चार स्तंभों पर आधारित होगा नारकोटिक्स कंट्रोल विजन 2026-29

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने सभी संबंधित विभागों को प्रदेश में मादक पदार्थों के खतरे को रोकने के लिए समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन 2026-29' में चार प्रमुख स्तंभों प्रवर्तन, आसूचना एवं अभियान, प्रिकर्सर एवं सिंथेटिक ड्रग नियंत्रण, मांग एवं हानि न्यूनीकरण तथा क्षमता निर्माण, समन्वय एवं निगरानी को प्रभावी रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में फॉरेंसिक जांच को प्रभावी एवं वैज्ञानिक तरीके से सुनिश्चित करने, जिलों में एनकॉर्ड की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करने के निर्देश दिए।

मादक पदार्थों के नियंत्रण के लिए राजस्थान तैयार करेगा 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन 2026-29

मादक पदार्थों की जब्ती में राजस्थान देश में अग्रणी: बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अफीम, डोडा-पोस्त तथा एमडी जैसे मादक पदार्थों की जब्ती में तेजी आई है और इन मादक पदार्थों की जब्ती के मामले में राजस्थान वर्तमान में देश में प्रथम स्थान पर है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा लगभग 730 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं तथा 93 ड्रग किंगपिन को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही प्रदेश में 34 एमडी निर्माण फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया गया है एवं मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया गया है।

पीसीसी में हुआ पदभार ग्रहण समारोह

डीडवाना के जस्साराम चौधरी बने प्रदेशाध्यक्ष:कांग्रेस की आरक्षण बचाओ प्रकोष्ठ का संभाला जिम्मा

डीडवाना-कुचामन(वि.सं.)। डीडवाना के बेमोट गांव निवासी जस्साराम चौधरी को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नवगठित 'आरक्षण बचाओ प्रकोष्ठ' का प्रदेशाध्यक्ष बनाया है।

उन्होंने जयपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय के इंदिरा गांधी भवन में पदभार संभाला। इस मौके पर एक समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा मुख्य अतिथि थे। डोटासरा ने जस्साराम चौधरी को पदभार संभालने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरूरी आधार है और कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्पित है।

सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे

डोटासरा ने कहा कि यह नया प्रकोष्ठ सभी वर्गों के आरक्षण की रक्षा के लिए मजबूती से काम करेगा। आरक्षण पर किसी भी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस हर वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए जोरदार आवाज उठाएगी।

युवक का जबड़ा टूटकर नीचे गिरा, डॉक्टरों ने जोड़ा

डॉक्टर्स बोले-दुर्लभ स्थिति में हुआ ऑपरेशन, जीभ गले में फंसने से जा सकती थी जान

अजमेर(वि.सं.)। अजमेर जिले में सड़क हादसे में युवक का जबड़ा कटकर नीचे गिर गया। गंभीर रूप से घायल युवक को ह्रस्ह हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन कर युवक के जबड़े को दोबारा जोड़ दिया। हादसा किशनगढ़ में 4 सितंबर को हुआ था। उसी दिन डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर दिया था। 6 दिन बाद घायल की स्थित सामान्य होने पर डॉक्टर्स की टीम ने गुरुवार को यह जानकारी दी। घायल युवक उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला है। डॉक्टरों ने बताया- घायल के इलाज में कई चुनौतियां थीं, लेकिन ऑपरेशन के बाद स्थिति में सुधार हुआ है।

उदयपुर नगर निगम चुनाव

शोभागपुरा में फर्जी मतदान का आरोप, वार्ड 23 में हंगामा, वार्ड 29 में कार्यकर्ता भिड़े

उदयपुर। उदयपुर नगर निगम के 80 वार्डों में पार्षद चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान जारी है। दोपहर 3 बजे तक नगर निगम क्षेत्र में 52.13 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई, जबकि जिले की मावली और कानोड़ नगर पालिकाओं में मतदाताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। मतदान के दौरान शहर के कुछ वार्डों में फर्जी वोटिंग के आरोप लगे और राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। वार्ड 23 में हंगामा हुआ और वार्ड 29 में कार्यकर्ता भिड़े। एक के सिर में चोट लगी। दोपहर 3 बजे तक मतदान की स्थिति

उदयपुर नगर निगमः सुबह 10 बजे 12.06त्न, दोपहर 1 बजे 38.45ः और दोपहर 3 बजे तक 52.13त्न मतदान हुआ।

मावली नगर पालिकाः सुबह 10 बजे 28.86त्न, दोपहर 1 बजे 67.57त्न और दोपहर 3 बजे तक 79.48त्न वोटिंग दर्ज की गई।

कानोड़ नगर पालिकाः सुबह 10 बजे 37.33त्न, दोपहर 1 बजे 56.24% और दोपहर 3 बजे तक 76.16त्न मतदान हुआ।

मतदान के दौरान विवाद और हंगामे के मामले

तीन वोटर्स के फर्जी वोट डलने का आरोपः वार्ड संख्या 76 स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (शोभागपुरा) में जब तीन मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि उनका वोट पहले ही कोई डालकर चला गया है। पीड़ित मतदाताओं ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई और बिना वोट डाले ही केंद्र से लौट गए।

वार्ड 23 में हंगामाः आरएमवी स्कूल स्थित मतदान केंद्र की निर्धारित सीमा के भीतर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी पर भाजपा शहर जिला उपाध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली ने कड़ा विरोध जताया। दोनों पक्षों के बीच हंगामे की स्थिति बनते ही पुलिस ने हस्तक्षेप किया।

बोलेरो के कुचलने से रामदेवरा जा रहे 3-श्रद्धालुओं की मौत

मरने वालों में चाचा-भतीजे शामिल; थाने के बाहर धरने पर बैठे लोग

जोधपुर(वि.सं.)। जोधपुर जिले में पैदल रामदेवरा (जैसलमेर) जा रहे चाचा-भतीजे सहित तीन श्रद्धालुओं को बोलेरो कैंपर ने कुचल दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा शेरगढ़ थाना इलाके में गुरुवार रात करीब 11ः30 बजे शेरगढ़ से फलोदी मेगा हाईवे पर भूंगरा में हुआ। थानाधिकारी खेताराम सियोल ने बताया- रात 10 बजे तेना-नाथासर गांव से पांच श्रद्धालु पैदल रवाना हुए थे। घर से 10 किलोमीटर दूर मेगा हाईवे पर पहुंचे थे। वहां बेकाबू बोलेरो ने तेना-नाथासर निवासी नरेश (25) पुत्र चंद्राराम, अंबाराम (29) पुत्र कुंभाराम और भानाराम (25) पुत्र अनोपाराम को टक्कर मार दी।

राजस्थान के महावीर जैन मंदिर प्रबंधन विवाद में सुनवाई पूरी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-भगवान को परेशान क्यों कर रहे हो: क्या वे इससे खुश होंगे

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान के करौली में प्रसिद्ध श्री महावीर जी जैन मंदिर के प्रबंधन और संचालन को लेकर जैन धर्म के श्वेतांबर और दिगंबर पक्षों के बीच चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने फैसला सुरक्षित रखते हुए दोनों पक्षों को 8 दिन में लिखित बहस दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान धार्मिक संवेदनशीलता का जिक्र

करते हुए जस्टिस पारदीवाला ने दोनों पक्षों से इस मुद्दे को बेहद सावधानी से निपटाने की बात कही। उन्होंने दोनों पक्षों से मुकदमेबाजी समाप्त करने की अपील करते हुए कहा- यह बहुत ही नाजुक और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मुद्दा है। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना, क्या आप यह उम्मीद करते हैं कि सुबह श्वेतांबर अपने तरीके से अनुष्ठान करेंगे और शाम को दिगंबर भगवान के वस्त्र बदलकर अपने तरीके से पूजा-अर्चना करेंगे? आप महान भगवान को परेशान क्यों कर रहे हैं? इस धरती पर अवतरित सबसे महान संतों में से एक के नाम पर यह अनावश्यक मुकदमेबाजी क्यों? क्या आपको लगता है कि इस सबसे वे खुश होंगे?

दवा गोदाम पर कार्रवाई | **भिवाड़ी में बिना लाइसेंस संचालित दवा गोदाम पर पूर्व कार्रवाई का अपडेट**

जब्त दवाइयों के 18 नमूनों में से 5 अवमानक पाए गए

जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि औषधि नियंत्रण आयुक्तालय ने जिला खैरथल-तिजारा के भिवाड़ी में बिना वैध लाइसेंस संचालित दवा गोदाम पर पूर्व में की गई कार्रवाई के संबंध में प्राप्त गुणवत्ता जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जब्त दवाओं के 18 नमूनों में से अब तक एक 16 सैंपल की जांच रिपोर्ट आ गई है,2 की रिपोर्ट आनी शेष है उन्होंने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में लगभग 1,500 कार्टन दवाइयां और अन्य सामग्री जब्त की गई थी। इनकी अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ रुपये थी। न्यायालय के आदेशानुसार

जब्त सामग्री औषधि नियंत्रण अधिकारी की अभिरक्षा में रखी गई है । श्रीमती राठौड़ ने बताया कि कार्रवाई के दौरान विभिन्न निर्माताओं और विपणनकर्ताओं की दवाइयां मिली थीं। इनके गुणवत्ता परीक्षण के लिए 18 नमूने लिए गए। इसके अलावा, परिसर से टेपेंटाडोल, प्रेगाबालिन और कोट्रिमोक्साजोल आदि सक्रिय औषधीय घटक (एपीआई), पैकेजिंग सामग्री, पंचेज एंड डाइज तथा एक्सपायर्ड सिल्डेनाफिल टैबलेट्स भी जब्त की गई थीं। उन्होंने बताया कि राजकीय विश्लेषक, दवा परीक्षण प्रयोगशाला, जयपुर की जांच में 11 नमूने मानक गुणवत्ता के पाए गए, जबकि 5 नमूने अवमानक घोषित किए गए। अवमानक नमूनों में सिप्रोफ्लॉक्सासिन टैबलेट्स बीपी 500 मिलीग्राम, टेपेंटाडोल टैबलेट्स 225 मिलीग्राम, चकापेन एक्स्ट्रा-डाइक्लोफेनाक 50 मिलीग्राम और कैफीन 50 मिलीग्राम के दो बैच तथा मेडिकब-55-डाइक्लोफेनाक सोडियम 50 मिलीग्राम शामिल हैं। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि इन दवाइयों के निर्माता कैंडोर हेल्थकेयर, लालडू (पंजाब); ओपल हेल्थकेयर, करनाल (हरियाणा); एलेक्सा फार्मास्यूटिकल्स, बद्दी (हिमाचल प्रदेश) और यूनिशार्प ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, लालडू (पंजाब) पाए गए हैं। आयुक्तालय ने संबंधित निर्माताओं के स्तर पर विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। औषधि नियंत्रण आयुक्त निर्देशों के तहत श्री अविचल चतुर्वेदी में बताया कि संबंधित विनिर्माण इकाइयों में जांच के लिए टीमें भेजी गई हैं। जांच दल संबंधित बैचों के विनिर्माण अभिलेख, कच्चे माल, गुणवत्ता नियंत्रण अभिलेख, बैच निर्माण अभिलेख तथा वितरण और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े दस्तावेजों की जांच करेंगे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com